Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25 www.dainikvishwaparivar.com रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 321 ● वर्ष : 13 ● रायपुर, सोमवार 25 मई 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

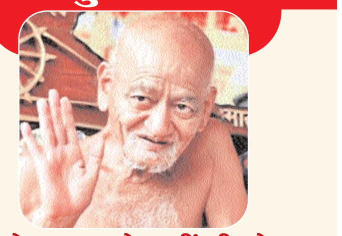

चोर धन को नहीं पीटते धनी को पीटते हैं।

Thieves do not hurt wealth, but they hurt the wealthy.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

राजनांदगांव-महाराष्ट्र बॉर्डर में बड़ी कार्रवाई

नक्सलियों का हथियार फैक्ट्री मिला

राजनादगांव (विश्व परिवार)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पुलिस ने नक्सलियों के हथियार फैक्ट्री को ध्वस्त किया है। फोर्स ने विभिन्न प्रकार के हथियारों को वन क्षेत्रों में छिपाकर रखे नक्सलियों के घातक हथियारों में प्रयुक्त सामान को पूरी तरह से नष्ट किया है। पुलिस को मौके पर बड़ी मात्रा में नक्सल साहित्य भी मिला। मिली जानकारी के मुताबिक गढ़चिरौली जिले में माओवादी समस्या के आखिरी दौर में फोर्स ने माओवादियों द्वारा पोमकेन के बिनागुंडा क्षेत्र के वन क्षेत्र में हथियार और अन्य सामग्री छिपाए जाने की सूचना पर कार्रवाई करते हुए फैक्ट्री को ध्वस्त किया है। गुप्त रूप से नक्सलियों ने घने जंगलों में हथियार में प्रयुक्त सामान और नक्सल साहित्य को जब्त किया। इसके बाद फैक्ट्री और अन्य वस्तुओं को जलाकर नष्ट कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार 16 मई 2026 को ऑपरेशन फाइनल स्ट्राइक के तहत गढ़चिरौली पुलिस बल के समक्ष आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों से गहन पूछताछ के दौरान यह सूचना प्राप्त हुई कि माओवादियों ने पोमकेन के बिनागुंडा क्षेत्र के वन क्षेत्र में हथियार और अन्य सामग्री छिपा रखी है। 21 मई 2026 को गढ़चिरौली के पुलिस अधीक्षक एम. रमेश के मार्गदर्शन में गढ़चिरौली और प्राणहिता की विशेष अभियान टीम की 6 संयुक्त टीमें और बीडीडीएस की 2 टीमें उक्त वन क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाने भेजी गईं। 22 मई 2026 को जब विशेष अभियान दल ने पोमकेन बिनागुंडा के उत्तर में स्थित वन क्षेत्र को घेर लिया।

नक्सलियों द्वारा जंगल और पहाड़ी क्षेत्रों में छिपाकर रखे गए भारी मात्रा में हथियार बरामद

सुकमा जिले में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में संयुक्त सर्चिंग अभियान चलाकर नक्सलियों द्वारा जंगल और पहाड़ी क्षेत्रों में छिपाकर रखे गए भारी मात्रा में हथियार, विस्फोटक, वायरलेस उपकरण और अन्य नक्सली उपयोगी सामग्री बरामद की है। यह कार्रवाई आत्मसमर्पण कर चुके पूर्व माओवादियों से प्राप्त इनपुट और गोपनीय सूचनाओं के आधार पर की गई। पुलिस के अनुसार नक्सलियों ने सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की मंशा से इन सामग्रियों को विभिन्न स्थानों पर छिपाकर रखा था। सभी अभियान सफलतापूर्वक पूरा कर सुरक्षा बल सुरक्षित वापस लौट आए।17 मई 2026 को उप पुलिस अधीक्षक रविकांत सहारे के नेतृत्व में जिला बल और विशेष आसूचना शाखा की संयुक्त टीम ने ग्राम गादम के जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में सर्चिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई। बरामद सामग्री में 42 इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, 8 कंट्रीमेड हैंड ग्रेनेड, चार हैंड ग्रेनेड, लगभग 10 किलोग्राम जिलेटिन पाउडर से भरा स्टील कंटेनर, इलेक्ट्रिक वायर और कई खाली ड्रम शामिल हैं। 21 मई 2026 को थाना चिंतलनार क्षेत्रांतर्गत कैंप तुमालपाड़ से 201 वाहिनी कोबरा और 226 वाहिनी सीआरपीएफकी संयुक्त टीम ने ग्राम तुमालपारा के जंगल क्षेत्र में सर्चिंग अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखे गए हथियार और विस्फोटक डंप सामग्री बरामद की गई। सुरक्षा बलों ने चार भरमार बंदूक, एक ग्रेनेड, 3 बीजीएल सेल, एक वायरलेस सेट, 6.6 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री, सोलर बैटरी और मेडिकल किट सामग्री जब्त की।23 मई 2026 को प्राप्त गोपनीय सूचना पर विशेष आसूचना शाखा और सुरक्षा बलों ने थाना चिंतलनार क्षेत्र के नागाराम जंगल में संयुक्त कार्रवाई की। इस दौरान नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखी गई दैनिक उपयोग और गतिविधियों में प्रयुक्त सामग्री बरामद की गई। बरामद सामग्री में,च-47 रायफल के 29 राउंड, डेटोनेटर, चार्जर, वर्दी का कपड़ा, सेलो टेप, फेसवॉश और अन्य दैनिक उपयोगी सामान शामिल हैं।

कंचनजंगा, सिक्किम की भूमि, स्मृति और चेतना का रक्षक : पीएम

गंगटोक। सिक्किम के राज्य बनने के 51वें वर्ष में प्रवेश करने के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया द्वारा लिखित एक लेख साझा किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि लेख में कंचनजंगा का विशेष जिक्र किया गया है और इसे सिक्किम की भूमि, स्मृति और चेतना का रक्षक बताया गया है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया,जैसे ही सिक्किम अपने राज्य के दर्जे के 51वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने कंचनजंगा के बारे में लिखा है, और इसकी प्रशंसा करते हुए इसे सिक्किम की भूमि, उसकी स्मृतियों और उसकी चेतना का रक्षक बताया है। उन्होंने इस बात की जानकारी दी है कि कंचनजंगा के पांच रत्न राज्य की यात्रा को लगातार उज्ज्वल बना रहे हैं, और 'विकसित सिक्किम 2047' की दिशा में मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने लिखा कि कंचनजंगा, जिसे पर्वत श्रृंखला कहा जाता है, हमारी कल्पना में लुंगता प्रार्थना झंडों, बादलों और बर्फ से ढकी दूर स्थित हिमालयी चोटियों के रूप में उभरता है। सिक्किम की लगभग एक चौथाई भूमि कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान के अंतर्गत आती है। सदियों से, कंचनजंगा स्थानीय समुदायों की लोककथाओं में एक पवित्र सभ्यतागत शक्ति के रूप में विराजमान रहा है। महान लामा ल्हात्सुन चेनपो ने इस मान्यता की काव्यात्मक व्याख्या करते हुए पांचों चोटियों को शाश्वत बर्फ के पांच खजाने कहा है, उगते सूरज से सबसे अधिक चमकती चोटी सोने का खजाना है, ठंडी छाया में रहने वाली चोटी चांदी का भंडार है, और अन्य चोटियां रत्नों, अनाजों और पवित्र ग्रंथों के भंडार हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सिक्किम के 51वें राज्य स्थापना दिवस समारोह के लिए हाल ही में की गई अपनी यात्रा के दौरान, यह कहावत समकालीन प्रासंगिकता के साथ फिर से सामने आई। सिंधिया ने कहा, पहला खजना सोना है, और सिक्किम अपने लोगों से कहीं अधिक समृद्ध है। विकास तभी स्थायी होता है जब वह समुदायों के विश्वास से पनपता है, और सिक्किम लेपचा, भूटिया और नेपाली समुदायों की एकता और सामाजिक सद्भाव में इस सत्य का ठोस प्रमाण प्रस्तुत करता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दूसरा खजाना, चांदी, सिक्किम की प्राकृतिक सुंदरता और जैव विविधता में झलकता है। तीस्ता और रंगीत नदियां घने जंगलों और बादलों के बीच से बहती हुई दिखाई देती हैं, जबकि चाय बागानों की ढलानों पर बिना खिले चेरी के पेड़ सर्दियों के आगमन की प्रतीक्षा में खड़े हैं। तीसरा रत्न हैं, और सिक्किम में ये रत्न सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सभ्यतागत हैं। ये विभिन्न मठों में, रावांगला के भव्य बुद्ध पार्क में, घाटी को देखने वाले भलेधुंगा स्काईवॉक में और स्वयं गुरु पद्मसंभव द्वारा आशीर्वादित पवित्र स्थल में दिखाई देते हैं। सिक्किम आज की अशांत दुनिया में आध्यात्मिकता की एक ऐसी भावना को संरक्षित रखता है जो अत्यंत मूल्यवान और पवित्र प्रतीत होती है। मंत्री ने कहा कि यह आध्यात्मिक विरासत अब आधुनिक आकांक्षाओं के साथ सह-अस्तित्व में है।

डब्लयूएचओ ने कांगो और युगांडा में फैले इबोला प्रकोप को सार्वजनिक आपात स्थिति किया घोषित

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और युगांडा में फैले इबोला प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय चिंता की सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति घोषित कर दिया है। वहीं, अफ्रीका सीडीसी ने भी इसे महाद्वीपीय सुरक्षा से जुड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति माना है। बढ़ते खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने भारतीय नागरिकों को कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, युगांडा और दक्षिण सूडान की अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है।कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और युगांडा में इबोला वायरस के बुंडीबुग्यो स्ट्रेन के बढ़ते संक्रमण ने वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 17 मई 2026 को अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम-2005 के तहत इसे अंतरराष्ट्रीय चिंता की सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति घोषित किया। इसके बाद अफ्रीका सीडीसी ने भी इस प्रकोप को महाद्वीपीय सुरक्षा संबंधी सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति का दर्जा दिया है। गौरतलब हो, डब्ल्यूएचओ की आपातकालीन समिति ने 22 मई को जारी अपनी अस्थायी सिफारिशों में प्रभावित क्षेत्रों से आने वाले यात्रियों की निगरानी बढ़ाने, अज्ञात कारणों वाले बुखार के मामलों की पहचान और रिपोर्टिंग को मजबूत करने तथा बुंडीबुग्यो वायरस से प्रभावित क्षेत्रों की यात्रा को हतोत्साहित करने का आह्वान किया है। विशेषज्ञों के अनुसार इबोला एक गंभीर वायरल रक्तस्रावी बुखार है।

फाल्टा में भाजपा के देबांगशु पांडा रिकार्ड वोटों से जीते

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की फाल्टा विधानसभा सीट इस बार सिर्फ चुनावी नतीजों की वजह से नहीं, बल्कि उससे जुड़े विवादों के कारण भी चर्चा में है। रिपोलिंग के बाद हुई मतगणना में भाजपा उम्मीदवार देबांगशु पांडा ने रिकॉर्ड 1,09,021 वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज कर ली है। उन्हें कुल 1,49,666 वोट मिले और फाल्टा में भाजपा की अब तक की सबसे बड़ी जीत का चेहरा बनकर उभरे। यही कारण है कि सीएम शुभेन्दु अधिकारी भी गदगद नजर आ रहे हैं।

दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जहांगीर खान ने रिपोलिंग से ठीक दो दिन पहले चुनाव से हटने का ऐलान कर दिया था, फिर भी उन्हें 7783 वोट मिले और वे चौथे स्थान पर रहे। वहीं सीपीआई उम्मीदवार शंभू नाथ कुर्मी 40,645 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

राहुल ने की शिक्षामंत्री के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली। देशभर में नीट यूजी पेपर लीक विवाद लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। अब इस मुद्दे पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार और खासतौर पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने साफ शब्दों में कहा है कि जब तक शिक्षा मंत्री इस्तीफा नहीं देते और परीक्षा व्यवस्था को पूरी तरह सुरक्षित बनाने के लिए मजबूत सिस्टम तैयार नहीं होता, तब तक कांग्रेस पीछे नहीं हटेगी। आपको बता दें कि परीक्षा रद्द होने के बाद शिक्षा मंत्रालय ने नई परीक्षा तारीख 21 जून घोषित कर दी है।

कर्नाटक में दर्दनाक हादसा: नदी में सीप इकट्ठा करने गए 8 की मौत

बेंगुलूरू। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले से एक बेहद दुखद हादसा सामने आया है। शिराली गांव के 10 लोग नदी में सीप (मसल्स) इकट्ठा करने गए थे, लेकिन अचानक तेज बहाव आने से बड़ा हादसा हो गया। अब तक 8 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 2 लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। मृतकों में 7 महिलाएं शामिल हैं।जानकारी के मुताबिक, गांव के लोग रोजमर्रा की तरह नदी में सीप इकट्ठा करने उतरे थे। शुरुआत में पानी सामान्य लग रहा था, लेकिन लगातार बारिश के कारण नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया और बहाव बेहद तेज हो गया। कुछ लोग गहरे हिस्से में फंसकर बहने लगे। उन्हें बचाने के प्रयास में बाकी लोग भी नदी में उतर गए, लेकिन तेज धारा ने उन्हें भी अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते कई लोग डूब गए और पूरा इलाका चीख-पुकार से गूंज उठा।

सुप्रीम कोर्ट में 'कॉकरोच जनता पार्टी' के खिलाफ याचिका

नई दिल्ली। देश की शीर्ष अदालत की गरिमा को तार-तार करने वाले एक मामले ने सुप्रीम कोर्ट का ध्यान खींच लिया है। 'कॉकरोच जनता पार्टी' के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दायर किया गया है। इसमें आरोप लगाया गया है कि 'कॉकरोच जनता पार्टी' नाम का एक ग्रुप खुद को राजनीतिक पार्टी बताता है। साथ ही जनहित याचिका में यह भी कहा गया है कि यह ग्रुप अदालत की टिप्पणियों को खुले आम अपनी कमाई और प्रचार के लिए इस्तेमाल कर रहा है। याचिका में आगे कहा गया है कि ये लोग कोर्ट की बातों को व्यापार, ऐप प्रमोशन और सोशल मीडिया पर वायरल होने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं, जो पूरी तरह गलत और खतरनाक है। याचिका दायर करने वालों का कहना है कि संवैधानिक प्रक्रिया अब धीरे-धीरे एक कमोडिटी बनती जा रही है। जहां पहले अदालत की टिप्पणियां कानून और न्याय के लिए होती थीं, वहां अब कुछ लोग उन्हें अपना प्रचार अभियान और कमर्शियल गेम चलाने के लिए यूज कर रहे हैं। 'कॉकरोच जनता पार्टी' पर आरोप है कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की कुछ टिप्पणियों को लेकर प्रचार सामग्री बनाई, डिजिटल कैंपेन चलाए और यहां तक कि व्यापारिक गतिविधियों में भी इनका इस्तेमाल किया।

याचिकाकर्ता ने मांग की है कि इस पूरे मामले की स्वतंत्र जांच हो, और बेहतर होगा कि सीबीआई इसकी जांच करे। साथ ही फर्जी वकीलों का मुद्दा भी उठाया गया है। याचिका में कहा गया है कि कई ऐसे लोग वकालत कर रहे हैं जिनके पास फर्जी डिग्री हैं। ये लोग अदालती प्रक्रिया को और बदनाम कर रहे हैं।

देश भर में फर्जी वकीलों की समस्या लंबे समय से चली आ रही है। कई युवा वकील शिकायत करते हैं कि असली मेहनत करने वाले प्रैक्टिस नहीं कर पाते क्योंकि बाजार में सस्ते और फर्जी डिग्री वाले लोग घुस चुके हैं। याचिका में इस पर भी जोर दिया गया है कि सुप्रीम कोर्ट इस दिशा में सख्त कदम उठाए। याचिका में यह भी कहा गया है कि सीबीआई या किसी स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए ताकि असली वकीलों की इज्जत बचे और न्याय व्यवस्था मजबूत हो।

केंद्रीय कैबिनेट के फैसले पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मुहर

सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई समेत अब होंगे 38 जज

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट के उस फैसले को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को मंजूरी दे दी है, जिसमें सीजेआई समेत सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या को 33 से बढ़ाकर 38 करने का प्रस्ताव था। इस संबंध में अध्यादेश जारी कर दिया गया है। इसको लेकर सोशल मीडिया 'ङ्क' पर एक पोस्ट में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि इस अध्यादेश ने सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) अधिनियम, 1956 में संशोधन किया है, जिससे सीजेआई को छोड़कर जजों की संख्या 33 से बढ़कर 37 हो गई है।इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 5 मई को हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में जजों की संख्या बढ़ाने के इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी। सरकार ने इस वृद्धि को औपचारिक रूप देने के लिए संसद में सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 पेश करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी थी। सरकार के मुताबिक, शीर्ष अदालत की क्षमता को मजबूत करना बेहद जरूरी हो गया था। वैसे देखा जाए तो वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष 92,000 से अधिक मामले लंबित हैं। ऐसे में जजों की संख्या बढ़ने से मुकदमों की सुनवाई में तेजी आएगी और आम जनता को समय पर न्याय मिल सकेगा। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 124(1) के तहत संसद को यह कानूनन अधिकार प्राप्त है कि वह कानून बनाकर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की संख्या निर्धारित कर सके। बढ़ते मुकदमों को देखते हुए समय-समय पर जजों की संख्या में बदलाव किया जाता रहा है। सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) अधिनियम, 1956 में शुरू में जजों की संख्या 10 तय की गई थी, जिसमें मुख्य न्यायाधीश शामिल नहीं थे। बाद में 1960 में इसे बढ़ाकर 13, 1977 में 17, 1986 में 25 और 2008 में 30 कर दिया गया। आखिरी बार इसमें 2019 में बदलाव किया गया था, जब संसद ने जजों की संख्या 30 से बढ़ाकर 33 कर दी थी।

छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस चुनाव का ऐलान: 29 मई से शुरू होगा नामांकन

सदस्यता अभियान और चुनाव साथ-साथ होंगे

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। प्रदेशभर में ब्लॉक, जिला और प्रदेश स्तर की नई टीम के गठन के लिए 29 मई से नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी। ब्लॉक और जिला कमेटियों के लिए नामांकन 29 मई से 13 जून तक भरे जाएंगे। वहीं प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश कार्यकारिणी के लिए 11 जून से 13 जून तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। नामांकन के बाद 15 जून से 18 जून तक स्क्रूटनी की प्रक्रिया चलेगी। इसके बाद सदस्यता अभियान और चुनाव प्रक्रिया एक साथ ऑनलाइन माध्यम से होगी।

युवा कांग्रेस में सदस्य बनने और चुनाव लड़ने के लिए उम्र सीमा 18 से 35 साल तय की गई है। आवेदन करने वाले युवाओं को अपना लाइव फोटो, वोटर आई कार्ड और उम्र संबंधी दस्तावेज डिजिटल रूप से अपलोड करने होंगे। इसके अलावा आवेदन के साथ 8 सेकेंड का वीडियो भी अपलोड करना अनिवार्य किया गया है, जिसमें आवेदक को खुद आवेदन से जुड़ी जानकारी देनी होगी।चुनाव प्रक्रिया में एक व्यक्ति-एक पद का नियम लागू रहेगा। कोई भी उम्मीदवार सिर्फ एक पद के लिए ही नामांकन दाखिल कर सकेगा। नामांकन दाखिल करते ही उसे अपने पुराने पद से मुक्त माना जाएगा।

अमेरिका-ईरान होर्मुज खोलने के लिए तैयार

60 दिनों के सीजफायर पर सहमत, 30 दिनों में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पहले की तरह

तेहरान। अमेरिका और ईरान होर्मुज को खोलने के लिए तैयार हो गए हैं। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देश सबसे पहले सीजफायर को 60 दिन के लिए और आगे बढ़ाएंगे। इस दौरान होर्मुज को धीरे-धीरे खोला जा सकता है। अगर ऐसा होता है तो ये पूरी दुनिया के लिए राहत की खबर होगी. क्योंकि युद्ध की वजह से कई देशों में तेल का संकट पैदा हो गया. स्रञ्ज ने यह जानकारी मध्यस्थों और बातचीत से जुड़े लोगों के हवाले से दी है।

होर्मुज को लेकर ईरान से बड़ी खबर आई है. ईरान का कहना है कि अगले 30 दिनों में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पहले की तरह हो जाएगा. यानि इस रास्ते पर पहले की तरह जहाज आवाजाही कर सकेंगे. होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल व्यापार मार्गों में से एक माना जाता है। यहां तनाव बढ़ने से वैश्विक तेल बाजार, शिपिंग और सप्लाई चेन पर बड़ा असर पड़ा था। ऐसे में अगर स्ट्रेट फिर सामान्य रूप से खुलता है तो इससे अंतरराष्ट्रीय बाजारों को राहत मिल सकती है। युद्ध होने के बाद से दुनियाभर के कई मुल्कों में ईंधन का संकट खड़ा हो गया. इकोनॉमी पर बुरा असर पड़ा. अब होर्मुज को 30 दिनों में पहले जैसे करने की बात कही जा रही है. यानि युद्ध से पहले जो स्थिति थी वो बहाल की जाएगी. इन सब के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि अमेरिका, ईरान और उस इलाके के कुछ और देशों के बीच एक समझौता लगभग तय हो गया है. राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी कहा कि इस डील में होर्मुज को फिर से खोलना शामिल है ।

अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के चुनाव लड़ने पर बैन की याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर कर चुनाव आयोग से आम आदमी पार्टीका पंजीकरण रद्द करने और पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक को चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित करने की मांग की गई है। इस याचिका पर जज ने सुनवाई की और इसे खारिज कर दिया।

बता दें कि याचिका सतीश कुमार अग्रवाल ने दायर की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली आबकारी नीति मामले से जुड़ी सुनवाई के दौरान,क्क नेताओं ने दिल्ली हाई कोर्ट की जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की अदालत की कार्यवाही में शामिल होने से इनकार किया। इस तरह का रवैया संवैधानिक अदालत की गरिमा और अधिकार को कमजोर करता है। साथ ही यह जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29(5) के तहत संविधान के प्रति सच्ची निष्ठा और आस्था रखने की शर्त का उल्लंघन है। याचिकाकर्ता ने कहा कि यह न्याय व्यवस्था में जनता के भरोसे को बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने के लिए दायर की गई है कि राजनीतिक पद या प्रभाव के बावजूद अदालत की कार्यवाही का सम्मान सभी के लिए समान रूप से अनिवार्य हो।

विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा

मुख्यमंत्री से सर्व आदिवासी समाज के प्रतिनिधिमंडल की सौजन्य मुलाकात

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ मंत्री श्री केदार कश्यप के नेतृत्व में सर्व आदिवासी समाज के प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली स्थित छत्तीसगढ़ सदन में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से सौजन्य मुलाकात की।इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल और मुख्यमंत्री के बीच सामाजिक समरसता, जनकल्याण तथा छत्तीसगढ़ के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में संचालित विकास कार्यों और जनहितकारी योजनाओं की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं भी दीं। मुख्यमंत्री ने भी समाज के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि राज्य सरकार आदिवासी समाज के विकास, संस्कृति के संरक्षण और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उत्तर विधानसभा क्षेत्र में विकास की लगातार सौगात पुरन्दर मिश्रा ने 22 विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

सड़क, नाली और जनसुविधाओं को मिलेगा विस्तार, विधायक पुरन्दर मिश्रा ने किया भूमिपूजन

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर के उत्तर विधानसभा क्षेत्र में विकास को नई गति देते हुए आज जोन क्रमांक 02 अंतर्गत अधोसंरचना मद से स्वीकृत 22 विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना एवं नारियल फोड़कर किया गया।

भूमिपूजन कार्यक्रम उत्साह, जनभागीदारी और विकास के संकल्प के साथ सम्पन्न हुआ। क्षेत्रवासियों ने विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा का आत्मीय स्वागत करते हुए विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि उत्तर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सड़क, नाली, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था एवं जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों के माध्यम से क्षेत्र को आधुनिक एवं सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और इसी विश्वास के साथ विकास कार्यों की श्रृंखला निरंतर आगे बढ़ रही है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में राज्य सरकार विकास और जनकल्याण के संकल्प के साथ कार्य कर रही है, जिसका लाभ प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक पहुँच रहा है। उत्तर विधानसभा क्षेत्र में भी विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ स्वीकृति दिलाकर तेजी से क्रियान्वित किया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान निगम सभापति श्री सूर्यकांत राठौर जी, एमआईसी सदस्यगण, क्षेत्रीय पार्षद, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने विकास कार्यों के शीघ्र पूर्ण होने की आशा व्यक्त करते हुए क्षेत्र को बेहतर सुविधाओं से युक्त बनाने के संकल्प को दोहराया।

भूमिपूजन के दौरान क्षेत्रवासियों में विशेष उत्साह देखने को मिला तथा लोगों ने विश्वास जताया कि इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र की आधारभूत सुविधाएँ और अधिक मजबूत होंगी तथा आमजन को सीधा लाभ मिलेगा।

जनजातीय गरिमा उत्सव ने बदली पहाड़ी कोरवा रोन्ही की जिंदगी

रायपुर (विश्व परिवार)। शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं जब दूरस्थ जनजातीय अंचलों तक पहुंचती हैं, तो वे केवल कागजी सुविधा नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में बदलाव की एक नई सुबह लेकर आती हैं, जिनमें पात्र व्यक्तियों को आधार पंजीयन, बैंकिंग सेवाएं, राशन कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य शासकीय योजनाओं से जोडऩे के लिये पात्रता परीक्षण, आवेदन एवं मौके पर निराकरण की कार्रवाई की जा रही है। शिविर के माध्यम से स्थानीय समस्याओं का अवलोकन, ग्रामीणों के साथ बैठक एवं योजनाओं का प्रचार-प्रसार, पात्र हितग्राहियों की पहचान, स्वास्थ्य परीक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम, जन सुनवाई तथा शिकायतों के निराकरण के लिये विभागीय कार्रवाई की जा रही है। इसका एक प्रत्यक्ष और जीवंत उदाहरण बलरामपुर-रामानुजगंज जिले की श्रीमती रोन्ही पहाड़ी कोरवा हैं, जिनके जीवन में प्रशासन की एक संवेदनशील पहल से बेहद सकारात्मक परिवर्तन आया है।सीमित संसाधन और अंधविश्वास के बीच बीत रही थी जिंदगी विकासखंड राजपुर के सुदूर ग्राम पंचायत पतरापारा की निवासी श्रीमती रोन्ही अपने परिवार के साथ बेहद सीमित संसाधनों में जीवनयापन करती हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण छोटी-छोटी बीमारियों के इलाज के लिए भी उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना।

पॉवर कंपनी करेगी अखिल भारतीय क्रिकेट और टेबल टेनिस टूर्नामेंट की मेजबानी

रायपुर (विश्व परिवार)। अखिल भारतीय विद्युत खेल नियंत्रण बोर्ड (एआईईएससीबी) की 48 वीं वार्षिक साधारण सभा की दो दिवसीय बैठक रविवार को संपन्न हुई। बैठक में आगामी वर्ष के लिए

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज को अखिल भारतीय क्रिकेट और टेबल टेनिस प्रतियोगिता की मेजबानी सौंपी गई।23 और 24 मई को रायपुर में आयोजित दो दिवसीय बैठक में देश भर की विद्युत कंपनियों एवं विद्युत मंडलों के इस वर्ष के खेल कैलेंडर तथा वित्तीय लेखा - जोखा का अनुमोदन किया गया । छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं छत्तीसगढ़ केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के अध्यक्ष श्री संजीव कुमार कटियार ने बैठक का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश की ऊर्जा जरूरत को पूरा करने वाले विद्युत कर्मियों के बीच एक सकारात्मक वातावरण निर्माण में खेल स्पर्धाओं का बड़ा महत्व है और ऐसे में सभी पॉवर कंपनियों को जिम्मेदारी

पूर्वक राष्ट्रीय स्तर पर खेल गतिविधियों का आयोजन करना चाहिए। उन्होंने एआईईएससीबी के पदाधिकारियों को बीते वर्ष अखिल भारतीय स्तर पर पॉवर सेक्टर कर्मियों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के सफल संचालन के लिए बधाई दी।ऑल इंडिया इलेक्ट्रिसिटी स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक श्री के एस मनोठिया ने बताया कि एजीएम के दौरान वित्त वर्ष 2025 -26 का लेखा - जोखा प्रस्तुत करने के साथ ही अन्य विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई जिससे आगामी वर्ष में अखिल भारतीय विद्युत खेल स्पर्धाओं का सफलतापूर्वक संचालन किया जा सके। श्री मनोठिया ने बैठक में इस बात पर जोर दिया कि बीते वर्ष में जिन खेलों की राष्ट्रीय स्पर्धा नहीं हो सकी हैं उन मेजबानों द्वारा प्राथमिकता से ये स्पर्धाएं आयोजित की जाए। खेलों के आयोजन से खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ता है और रचनात्मक वातावरण का निर्माण होता है।48 वीं एजीएम के दौरान पॉवर कंपनियों में विभिन्न स्तर पर भर्तियों में खेल कोटे में वृद्धि संबंधी विषय पर भी चर्चा की गई । वर्ष 2026-27 के लिए अखिल भारतीय खेल स्पर्धाओं की मेजबानी का अवसर विभिन्न पावर कंपनियों एवं विद्युत मंडलों को दिया जाना प्रस्तावित किया गया। इसमें क्रिकेट और टेबल टेनिस की मेजबानी छत्तीसगढ़ को, एथलेटिक्स, बॉल बैडमिंटन, कैरम और बास्केटबॉल की मेजबानी आंध्र प्रदेश, शतरंज की असम, कबड्डी की तेलंगाना, पॉवर लिफ्टिंग और बॉडीबिल्डिंग की कर्नाटक, लॉन टेनिस और बैडमिंटन की केरलम, फुटबॉल की उत्तर प्रदेश , महिला खेल एवं बास्केटबॉल की तमिलनाडु, ब्रिज की पुडुचेरी तथा हॉकी एवं वॉलीबॉल की मेजबानी पश्चिम बंगाल को दिया जाना प्रस्तावित है।छत्तीसगढ़ केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव तथा एआईईएससीबी के सलाहकार श्री महेंद्र सिंह चौहान ने एजीएम आयोजित करने का अवसर छत्तीसगढ़ को लगातार दूसरे वर्ष दिये जाने पर बोर्ड का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष बोर्ड की अध्यक्षता पहली बार छत्तीसगढ़ को सौंपी गई और श्री के एस मनोठिया की अध्यक्षता में क्रीड़ा स्पर्धाएं सपन्न हुई।एआईईएससीबी के एजीएम के दौरान महासचिव श्री के आर शिवकुमार , पूर्व अध्यक्ष सुरेश कैमल, कोषाध्यक्ष श्री इमरान उल हक समेत बोर्ड के अन्य पदाधिकारी एवम छत्तीसगढ़ केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के पदाधिकारी मौजूद थे।

राजधानी के बाद अन्य शहरों में पुलिस कमिश्नरी प्रणाली लागू किया जाना फिजूल खर्ची : दीपक

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी के बाद अन्य शहरों में पुलिस कमिश्नरी प्रणाली लागू किया जाना फिज़ूल खर्जी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि रायपुर में कमिश्नरी सिस्टम फेल हो गया, अब दुर्ग बिलासपुर में लागू करेंगे। अपराधों में नियंत्रण का नाम लेकर रायपुर में पुलिस कमिश्नरी प्रणाली लागू की गयी, 5 आईपीएस अधिकारियों की तैनाती की गयी। उसके बाद भी अपराधों में कोई नियंत्रण नहीं हुआ। आज भी लूट, चोरी, डकैती, हत्या, बलात्कार की घटनाएं हो रही है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक के साथ लूट हो जाती है। इस फेल सिस्टम को भाजपा सरकार दुर्ग, बिलासपुर में भी लागू करने जा रही है। सरकार बताये कि रायपुर में लागू करने का क्या फायदा हुआ? प्रदेश में बढ़ते अपराध के लिए गृह मंत्री जिम्मेदार है। गृह मंत्री को बर्खास्त किया जाना चाहिए। बीमारी कुछ है, इलाज कही और ढूंढा जा रहा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि रायपुर पुलिस कमिश्नरी वसूली कमिश्नरेट बन गया है। राजधानी की बिगड़ चुकी कानून व्यवस्था को सुधारने के नाम पर सरकार ने राजधानी में पुलिस कमिश्नरी प्रणाली लागू किया था, राजधानी की कानून व्यवस्था में कोई सुधार तो नहीं हुआ। कमिश्नरी प्रणाली लागू होने के कारण नागरिकों की परेशानी जरूर बढ़ गई। अपराध और अपराधी तो बेलगाम है ही अब सड़क पर पुलिस का चालान नागरिकों में एक नया खौफ पैदा कर रहा है। कमिश्नरी प्रणाली का काम केवल ट्रैफिक के नाम पर वसूली करना मात्र ही है। क्या पुलिस अपराधों के नियंत्रण तथा पुलिस की गश्ती व्यवस्था को सुधारने गली, मुहल्ले में पुलिस के संरक्षण में बिक रहे सूखे नशे के कारोबार पर भी रोक लगाना भी है, पुलिस की पूरी सक्रियता केवल चालान भेजने और वसूली करने तक है? किसी चौराहे पर लोगों की मदद करते पुलिस का कोई बड़ा अधिकारी कभी नहीं दिखता है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि पिछले ढाई वर्षो में छत्तीसगढ़ अपराध का गढ़ बन गया है। लूट, हत्या, बलात्कार, चाकूबाजी की घटनाओं के कारण पूरे प्रदेश में दहशत का माहौल है। छत्तीसगढ़ देश का ऐसा अकेला राज्य है, जहां पर कलेक्टर, एसपी कार्यालय जला दिया गया, अपराधी को गांव वालो ने उसके घर में जिंदा जला दिया, एसडीएम को जनता मारने दौड़ा दिया उसे जान बचाकर भगाना पड़ा। राज्य की राजधानी में ढाई साल में 7 गोलीबारी की घटना हो गयी, राज्य में मासूम बच्चियां महिलाएं सुरक्षित नहीं है। हर दिन 8 बलात्कार और हर दूसरे दिन 3 सामूहिक दुराचार की घटनाएं हो रही है। राजधानी चाकूपुर बन गया है। सरकार और गृह मंत्री कानून व्यवस्था नहीं संभाल पा रहे है।

सुशासन के नाम से अधिकारियों से सार्वजनिक दुर्व्यवहार करना अनुचित: धनंजय सिंह ठाकुर

रायपुर (विश्व परिवार)। सुशासन तिहार के मंच से अधिकारियों को सार्वजनिक फटकार लगाये जाने की घटना को अनुचित करार देते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा सुशासन नाम से भाजपा सरकार के मंत्री ,विधायक सांसद मंच से सिर्फ रील बाजी कर राजनीतिक प्रोपोगंडा कर रहे है। सार्वजनिक तौर पर अधिकारियों कर्मचारियों की शिकायत पर फटकार लगाते हुए सोशल मीडिया में वीडियो शेयर कर वाहवाही लूटने की कोशिश कर रहे है।ये भूल जाते है जिस अधिकारी कर्मचारी से ये सार्वजनिक दुर्व्यवहार कर रहे है उनका भी परिवार समाज है छोटे छोटे बच्चे,वृद्ध मातापिता है उनकी अपनी प्रतिष्ठा है जो इस प्रकार के वीडियो से खराब होती है परिवार में मानसिक तनाव बढ़ता है।परिजन भयभीत हो जातखराब ।सोशल मीडिया में ट्रोल कर उपहास उड़ाया जाता है जिसके कई बार गम्भीर परिणाम सामने है।अधिकारीयो के खिलाफ आम लोगो का नजरिया बदलता है वैमनस्यता बढ़ता है परिजन शर्मिंदगी महसूस करते है।अगर अधिकारी कर्मचारी ठीक काम नही कर रहे है रिश्वतखोरी की शिकायत आ रही है तो विधिवत विभागीय कार्यवाही होनी चाहिए। ये न्याय संगत है।सार्वजनिक फटकार लगाने का अधिकार किसी को थोड़ी न है।असल मे भाजपा सरकार ने प्रशानिक नियंत्रण खो दिया है ढाई साल की सरकार में जनता छोटे छोटे सरकारी कामो के लिए दर दर भटक रहे है इसके लिये तो सरकार जिम्मेदार है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा भाजपा सरकार के कार्यप्रणाली पर सरकार के मंत्री, सांसद विधायक अगर सवाल उठा रहे है।

पीहर नाला की बारिश पूर्व अभियान चलाकर की गई सफाई

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर नगर पालिक निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा बारिश पूर्व नालों की अभियान चलाकर सफाई करने करवाकर गन्दे पानी की सुगम निकासी के प्रबंधन का सिलसिला तेज गति से निरंतर प्रगति पर है.

इसके अंतर्गत रायपुर नगर निगम जोन क्रमांक 9 लाभाण्डी क्षेत्र अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा पीहर नाला क्षेत्र में बारिश पूर्व अभियान चलाकर सफाई करवाते हुए गन्दे पानी की सुगम निकास व्यवस्था कायम करवाई गई.

जोन क्रमांक 5 के काली मन्दिर रिंग रोड नाला क्षेत्र और

नगर निगम जोन 9 क्षेत्र अंतर्गत कचना बीएसयूपी आवासीय परिसर की गलियों में नालियों की अभियान चलाकर बारिश पूर्व सुगम निकास कायम करने सघन सफाई करवाई गयी.

नगर निगम जोन 2 क्षेत्र अंतर्गत नहरपारा रेल्वे स्टेशन मार्ग नाला की अभियानपूर्वक सफाई करवाकर सम्पूर्ण कचरा उठवाकर बारिश पूर्व सुगम निकास प्रबंधन जनहित में जनस्वास्थ्य सुरक्षा बाबत कायम किया गया.

रायपुर ग्रामीण विधायक प्रतिनिधि मैकमिलन साहू ने, नागरिकों को दी शानदार सौगात

रायपुर (विश्व परिवार)। आज रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर निगम रायपुर जोन 10 अंतर्गत वार्ड 49, 52,53 में विभिन्न 29 स्थानों में कुल सवा तीन करोड़ रूपये से भी अधिक की स्वीकृत लागत से नए विकास कार्य शीघ्र करने रायपुर ग्रामीण विधायक प्रतिनिधि श्री मैकमिलन साहू ने रायपुर नगर निगम लोक कर्म विभाग अध्यक्ष श्री दीपक जायसवाल, एमआईसी सदस्य डॉ अनामिका सिंह, पार्षद श्री विनय पंकज निर्मलकर, श्री मनोज जांगड़े सहित नगर निगम जोन 10 जोन कमिश्नर श्री मोनेश्वर शर्मा, कार्यपालन अभियंता श्री गजाराम कँवर सहित बड़ी संख्या में महिलाओं, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, गणमान्यजनों, नवयुवकों, आमजनों की उपस्थिति में श्रीफल फोड़कर और कुदाल चलाकर नागरिकों को रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत

रायपुर ग्रामीण विधायक श्री मोतीलाल साहू के निर्देश पर एक और शानदार सौगात दे दी .

रायपुर ग्रामीण विधायक श्री मोतीलाल साहू के निर्देश पर रायपुर ग्रामीण विधायक प्रतिनिधि श्री मैकमिलन साहू ने रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत लोक कर्म विभाग अध्यक्ष श्री दीपक जायसवाल, एमआईसी सदस्य डॉ. अनामिका सिंह, पार्षद श्री मनोज जांगड़े, श्री विनय पंकज निर्मलकर एवं नागरिकों सहित श्रीफल फोड़कर कुदाल चलाकर भूमिपूजन किया.

रायपुर नगर निगम क्षेत्र में तेज गति से नए स्वीकृत विकास कार्यों का भूमिपूजन कर स्वीकृति अनुसार कार्य विभिन्न स्थानों पर वार्ड 49, 52 एवं 53 के क्षेत्र संदीप साहू, तत्काल प्रारम्भ करवाकर तय समयसीमा के भीतर सतत मॉनिटरिंग करते हुए गुणवत्ता सहित प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करवाना जनहित में सुनिश्चित करवाने के नाली, पुलिया, नाला, सामुदायिक भवन, पाईप लाईन विस्तार, के लगभग सवा 3 करोड़ की लागत से कराये जाने के निर्देश दिए. पार्षदों ने कार्य प्रारम्भ करवाने लोक कर्म विभाग अध्यक्ष श्री दीपक जायसवाल, ग्रामीण विधायक प्रतिनिधि श्री मैकमिलन साहू को सभी वार्डवासियों की ओर से हार्दिक धन्यवाद दिया.

एक्सप्रेस वे में गलत तरीके से रास्ता खोलने पर कांग्रेस पार्टी ने किया प्रदर्शन

रायपुर (विश्व परिवार)। कांग्रेस के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने आज एक्सप्रेस वे को नियम विपरीत रास्ता खोले जाने को लेकर कड़ा रुख अपनाया उन्होंने इस मामले में विरोध प्रदर्शन करते हुये कहा कि नियमों की धज्जियां उड़ाते हुये सिटी सेंटर मॉल के सामने बने एक्सप्रेस-वे का रूट बीच में खोलने वाले क्क्ष्ठ अधिकारियों की भूमिका की उच्च स्तरीय जांच होना चाहिये आखिर किसके निजी लाभ के लिए नियमों को शिथिल किया जा रहा है या कौन लोक निर्माण विभाग (क्क्ष्ठ) और संबंधित नियोजन अधिकारी कुछ रसूखदार व्यक्तियों, निजी बिल्डरों और भू-माफियाओं को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए एक्सप्रेस-वे के मूल और तकनीकी रूप से स्वीकृत रास्ते में बदलाव कर रहे है।पूर्व विधायक विकास उपाध्याय का कहना है कि जहां एक तरफ भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री लगातार विकास कार्यों में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार मुक्त शासन

का दावा करते हैं, वहीं जमीनी स्तर पर क्क्ष्ठ के कुछ अधिकारी अपने निजी फायदे के लिए बड़े कॉलोनाइजरों से मिली भगत कर आम जनता को दुर्घटनाओ के लिए आमंत्रित कर रहे है , कांग्रेस पार्टी का सीधा दवा है यह कार्य निजी और आर्थिक लाभ के लिए किया जा रहा है जिसके कारण पूरे प्रोजेक्ट की दिशा बदली जा रही है हैं।

इस प्रकार नियमों को ताक पर रख कर दुबारा ऐसा ना हो इसके लिये पूर्व विधायक ने कुछ प्रमुख माँग की.निष्पक्ष जाँच - एक्सप्रेस-वे के प्रारंभिक सर्वे और वर्तमान में किए गए बदलावों की तुलनात्मक जांच किसी स्वतंत्र केंद्रीय एजेंसी या विजिलेंस टीम से कराई जाए जवाबदेही तय हो- जिस भी अधिकारी ने तकनीकी कारणों को दरकिनार कर किसी निजी व्यक्ति या लॉबी को फायदा पहुंचाने के लिए रूट बदला है, उसके खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए।पारदर्शिता- एक्सप्रेस-वे के मार्ग निर्धारण से जुड़ा पूरा नक्शा और फिजिबिलिटी रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके।आगे विकास उपाध्याय ने कहा कि ÷कांग्रेस पार्टी विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन विकास के नाम पर भ्रष्टाचार और चंद अधिकारियों की मिलीभगत से होने वाले इस खेल को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर सरकार ने इस रूट घोटाले पर तुरंत संज्ञान नहीं लिया, तो कांग्रेस पार्टी आम जनता की जान जोखिम से बचाने जिस क्क्ष्ठ अधिकारी के सुझाव से और जिन अधिकारियो के आदेश से यह अवैध कार्य हुआ है उनके खिलाफ संबंधित देवेंद्र नगर थाना में एफआईआर दर्ज कराएगी।

कार्यक्रम में मुख्य रूप उपस्थित सोमेन चटर्जी, हजरून बानो,प्रदेश प्रभारी कुलदीप ध्रुव, पार्षद शेख मुशीर, प्रदेश सचिव हस्ढ्ढ महताब हुसैन, कुणाल दुबे, तनिष्क मिश्रा, आदर्श राव शिंदे, रौनक तनवानी, अनिकेत रात्रे, प्रियांशु पांडेय, अक्षत पांडेय, तारीक़ खान, श्रीनाथ भोगल,मतलुब अली मिहिर भंसाली शेख इमरान मोहम्मद अमानत अली सक्षम तिवारी अभिषेक मिश्रा सुजल सोनी अदनान रजा बृजेश सचदेव अक्कू नाग सागर टांडी दिलीप गुप्ता अभिजीत तिवारी समेत अन्य कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वन चेतना केंद्र मांगता में विविध कार्यक्रम आयोजित, लोगों ने बढ़-चढ़र लिया हिस्सा

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर हुआ आयोजन, छात्रों और ग्रामीणों की रही सहभागिता

राजनांदगांव। वन मंडल राजनांदगांव अंतर्गत वन चेतना केंद्र मनगटा में अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आसपास के ग्रामीणों एवं स्कूली बच्चों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। जैव विविधता संरक्षण एवं पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूली बच्चों के लिए क्विज प्रतियोगिता एवं चित्रलेखा (पोस्टर) प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और जैव विविधता संरक्षण से जुड़े विषयों पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद सदस्य सोनू धनकर उपस्थित रहे। साथ ही मुढ़ीपार ग्राम पंचायत के सरपंच एवं अन्य अतिथिगण भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में जैव विविधता संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रकृति एवं वन्यजीवों के संरक्षण हेतु सभी को जागरूक रहने का संदेश दिया। यह कार्यक्रम वन मंडलाधिकारी राजनांदगांव एवं उपवन मण्डलाधिकारी के मार्गदर्शन एवं पर्यावरण प्रेमी प्रतीक ठाकुर के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में सहायक वन संरक्षक लवकेश कुमार गिलहरे, आकाश ठाकुर, परिक्षेत्र अधिकारी प्रतीक टंडन तथा वन विभाग के अन्य कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के उपलक्ष्य में जैव विविधता संरक्षण की शपथ ली। साथ ही परिसर में वृक्षारोपण कर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों एवं बच्चों को पर्यावरण संरक्षण, वन संपदा के महत्व तथा जैव विविधता के संवर्धन हेतु प्रेरित किया गया।

राज्यस्तरीय सीनियर किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता में बेमेतरा 3 खिलाड़ीयों में 5पदक जीते

बेमेतरा। कोरबा में आयोजित 13वीं छत्तीसगढ़ राज्यस्तरीय सीनियर (पुरुष एवं महिला) किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता 2026 में द वारक्राई मार्शल आर्ट्स एंड सेल्फ डिफेंस एकेडमी, बेमेतरा के 3 खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 5 पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने रजत पदक एवं 2 कांस्य पदक जीतकर अकादमी एवं बेमेतरा जिले का गौरव बढ़ाया। खिलाड़ियों ने कठिन मुकाबलों में अनुशासन, आत्मविश्वास एवं उत्कृष्ट तकनीक का परिचय देते हुए शानदार प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी एवं गर्व का माहौल है अकादमी के डायरेक्टर एवं हेड कोच सेंसई भानु प्रताप साहू ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि

खिलाड़ियों की निरंतर मेहनत, नियमित अभ्यास एवं अभिभावकों के सहयोग से यह सफलता संभव हो सकी है। उन्होंने भविष्य में भी खिलाड़ियों से और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई।इस अवसर पर विवेक पोल, दीपक मेघवानी, भाग्यश्री पोल, डॉ. रमेश धनगर, शिल्पा राठी, धर्मेंद्र ढींगरा, नम्रता साहू सहित सभी अभिभावकों, सहयोगियों एवं खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। पदक विजेता खिलाड़ियों में हरिराम - 1 रजत एवं 1 कांस्य पदक, ममता दहिया - 1 रजत एवं 1 कांस्य पदक केतन दहिया - 1 रजत पदक हासिल किया ।

धर्मांतरण के खिलाफ दिल्ली कूच: बस्तर से 1200 आदिवासी डी-लिस्टिंग की मांग लेकर रवाना, राष्ट्रपति को सौंपा जाएगा ज्ञापन

जगदलपुर। देशभर में धर्मांतरित परिवारों की डी-लिस्टिंग की मांग अब तेज होती जा रही है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के सातों जिलों से करीब 1200 आदिवासी ग्रामीण दिल्ली रवाना हुए हैं, जहां 24 मई को राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा जाएगा। सर्व आदिवासी समाज के प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरविंद नेताम का दावा है कि देशभर से करीब 5 लाख आदिवासी इस आंदोलन में शामिल हो रहे हैं।

नक्सलवाद के बाद धर्मांतरण बड़ी समस्या- अरविंद नेताम- नेताम का कहना है कि धर्मांतरण के बाद भी कई परिवार स्त्र और स्ट आरक्षण समेत सरकारी योजनाओं का लाभ ले रहे हैं, जबकि उन्हें मिशनरियों से भी सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने बस्तर में धर्मांतरण को नक्सलवाद के बाद सबसे बड़ी समस्या बताते हुए कहा कि इससे आदिवासी संस्कृति, परंपरा और रीति-रिवाज खतरे में पड़ गए हैं।

प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराने का आरोप- पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि गांव-गांव में प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है और अवैध रूप से चर्च संचालित किए जा रहे हैं। इसी को रोकने के लिए धर्मांतरित परिवारों को आरक्षण लाभ से बाहर करने यानी डी-लिस्टिंग की मांग उठाई जा रही है। हालांकि स्वास्थ्य कारणों से अरविंद नेताम दिल्ली कार्यक्रम में शामिल नहीं हो रहे हैं, लेकिन उन्होंने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर इस मुद्दे पर कार्रवाई की मांग की है।

महापौर ने ली मीटिंग: निर्माण कार्यों को समय पर पूरा करने और बारिश पूर्व डामरीकरण करने के निर्देश

तकनीकी अधिकारियों से वार्डवार जानकारी महापौर ने ली, काम पर फोकस करने कहा

राजनांदगांव। नगर निगम क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्यों को लेकर महापौर मधुसूदन यादव ने तकनीकी अधिकारियों की मीटिंग ली। उन्होंने स्वीकृत कार्य तत्काल प्रारंभ कराने योजना के कार्य को प्राथमिकता देकर समय सीमा में चालू कराने एवं चालू कार्य में तेजी लाकर गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में महापौर यादव ने उप अभियंताओं से शहर में चल रहे निर्माण कार्यो की वार्डवार जानकारी लेकर अप्रारंभ कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने तथा चल रहे निर्माण कार्य में तेजी लाकर कार्य समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने सांसद, विधायक निधि एवं महापौर व पार्षद निधि के कार्य की जानकारी लेकर स्वीकृत कार्य तत्काल प्रारंभ कराने कहा। महापौर ने अधोसंरचना मद एवं अधोसंरचना पर्यावरण मद अंतर्गत स्वीकृत कार्यो को शीघ्र प्रारंभ कराने कहा, जिस कार्य का कार्यादेश जारी नहीं हुआ है, उसका कार्यादेश तत्काल जारी कर कार्य प्रारंभ करावे। सभी अभियंतागण अपने अपने प्रभारित वार्ड के कार्यो की सत्त मानिटरिंग करे तथा कार्य की प्रगति, उपयोगिता प्रमाण पत्र बनाकर शासन को भेजे, उन्होंने डामरीकरण के कार्य की जानकारी लेकर शेष कार्य गुणवत्ता के साथ बारिश के पूर्व पूर्ण कराने कहा।

डामरीकरण कार्य वाले ठेकेदारों को नोटिस

निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा ने जानकारी दी कि डामरीकरण कार्य के लिए संबंधित ठेकेदारों को नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने अधिकारियो से कहा कि जिन ठेकेदारों के द्वारा काम चालू नहीं किया जा रहा है या जिन्होंने चलित काम बंद कर दिया है, उन्हें नोटिस जारी करें।जहां पर स्थल विवाद है उसके लिए संबंधित पार्षद से सम्पर्क कर निराकरण करावे। जिन कार्यो की विभागीय प्रक्रिया लंबित है उसे जल्द पूर्ण कर काम चालू करावे। सभी कार्यो की सत्त मानिटरिंग कर प्रगति से अवगत करावे। महापौर यादव ने नालंदा परिसर के कार्य की भी जानकारी लेकर कार्य में तेजी लाने कहा, जिससे समय सीमा में कार्य पूर्ण हो और विद्यार्थियों को इसका लाभ मिले। आंगनबाडी निर्माण व मारम्मत कार्य जून माह तक पूर्ण करावे, नये आंगनबाडी के लिए स्टीमेंट में जमीन का दस्तावेज लगाना है, ताकि स्वीकृति में परेशानी न हो। उन्होने सामुदायिक भवन तथा नाला निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी लेकर कहा कि नाला निर्माण कार्य में तेजी लावे, जो कार्य बंद है उसको चालू करावे। नाला नाली निर्माण के कार्य बारिश के पूर्व पूर्ण कराएं।

निरंतर बढ़ती मांग के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों द्वारा निर्बाध ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित

रायपुर। राष्ट्र सेवा एवं जन सेवा के संकल्प के साथ सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां — इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड — देशभर में पेट्रोल (एमएस), डीजल (एचएसडी) एवं एलपीजी की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु चौबीसों घंटे संचालन एवं लॉजिस्टिक्स समन्वय बनाए हुए हैं। विभिन्न क्षेत्रों में ईंधन की मांग में तेज वृद्धि के बावजूद आपूर्ति व्यवस्था सुचारु रूप से जारी है। हाल के समय में कृषि एवं कटाई गतिविधियों में वृद्धि के कारण पेट्रोलियम उत्पादों की मांग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसके अतिरिक्त, अन्य आपूर्तिकर्ताओं की तुलना में कम कीमत होने के कारण खुदरा उपभोक्ताओं का सार्वजनिक क्षेत्र के रिटेल आउटलेट्स की ओर रुझान बढ़ा है, साथ ही संस्थागत एवं वाणिज्यिक उपभोक्ताओं द्वारा भी रिटेल फ्यूल आउटलेट्स से खरीद में वृद्धि देखी गई है। मई 2026 के दौरान छत्तीसगढ़ में एचएसडी (डीजल) रिटेल बिक्री में अधिकांश जिलों में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। राज्य के कुल जिलों में से 4 जिलों में 25त्न से अधिक वृद्धि दर्ज की गई, जबकि 22 जिलों में 10त्न से 25त्न के बीच वृद्धि दर्ज हुई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में रही। सर्वाधिक वृद्धि बस्तर, बालोद, सक्ति, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर एवं सूरजपुर जिलों में दर्ज की गई। इसके अतिरिक्त रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, महासमुंद एवं रायगढ़ जैसे प्रमुख जिलों में भी डीजल बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई, जो राज्य में असाधारण मांग को दर्शाती है। इसके बावजूद, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां अपने विस्तृत नेटवर्क — जिसमें टर्मिनल, डिपो, पाइपलाइन, एलपीजी बॉटलिंग प्लांट एवं रिटेल आउटलेट शामिल हैं — के माध्यम से बाजारों में निर्बाध आपूर्ति एवं समय पर पुनःपूर्ति सुनिश्चित कर रही हैं। आपूर्ति दल, परिवहन नेटवर्क, टर्मिनल संचालन तथा चयनित रिटेल आउटलेट्स 24×7 कार्यरत हैं, जिससे उत्पादों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित हो रही है। तेल उद्योग उपभोक्ताओं को आश्वस्त करना चाहता है कि देशभर में पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है तथा निर्बाध एवं सुचारु आपूर्ति बनाए रखने हेतु राज्य प्रशासन के साथ सतत समन्वय में सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां स्टॉक स्थिति की लगातार समीक्षा कर रही हैं तथा बढ़ी हुई मांग को प्रभावी रूप से पूरा करने हेतु लॉजिस्टिक्स एवं वितरण योजना पर करीबी समन्वय बनाए हुए हैं। नागरिकों से अपील की जाती है कि वे सामान्य खरीद व्यवहार बनाए रखें एवं अनावश्यक घबराहट में खरीदारी से बचें। साथ ही, ईंधन उपलब्धता संबंधी सही जानकारी हेतु केवल अधिकृत एजेंसियों एवं तेल विपणन कंपनियों द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

जरूरतमंद विद्यार्थियों के सपनों को मिली नई उड़ान, शिक्षा सहायता देकर यूथ सिख सेवा समिति ने पेश की मिसाल

भिलाई । शिक्षा के क्षेत्र में समाज सेवा की मिसाल कायम करते हुए यूथ सिख सेवा समिति, भिलाई एवं सर्व समाज कल्याण समिति, भिलाई द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा सहायता प्रदान की गई। समिति अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू के निर्देशन में प्राप्त विभिन्न आवेदनों का सत्यापन करने के बाद जरूरतमंद परिवारों तक आर्थिक सहयोग पहुंचाया गया। समिति द्वारा आयोजित सहायता वितरण कार्यक्रम में कई ऐसे परिवारों को राहत मिली, जिनके लिए आर्थिक कठिनाइयों के कारण बच्चों की पढ़ाई जारी रखना चुनौती बन चुकी थी। संस्था की इस पहल की सामाजिक स्तर पर सराहना की जा रही है।

89% अंक लाने वाली मेधावी छात्रा को 20 हजार की सहायता- कार्यक्रम के दौरान एक संघर्षशील एवं प्रतिभाशाली छात्रा को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। पिता के साये से वंचित इस छात्रा ने विपरीत

परिस्थितियों के बावजूद 12वीं कक्षा में 89 प्रतिशत अंक प्राप्त कर परिवार और समाज का गौरव बढ़ाया है। छात्रा भविष्य में डॉक्टर बनकर समाज सेवा करना चाहती है तथा NEET-2027 की तैयारी करने का लक्ष्य रखती है। छात्रा की प्रतिभा, मेहनत और संघर्ष को सम्मान देते हुए समिति द्वारा 20,000 की शिक्षा सहायता राशि प्रदान की गई।

तीन बेटियों की पढ़ाई नहीं रुके, समिति ने बढ़ाया सहयोग का हाथ- इसी क्रम में एक ही परिवार की तीन बेटियों की शिक्षा निरंतर जारी रखने हेतु 10,000 की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। समिति ने स्पष्ट किया कि आर्थिक अभाव किसी भी बच्ची की शिक्षा में बाधा नहीं बनना चाहिए और समाज को बेटियों की शिक्षा के प्रति संवेदनशील होना आवश्यक है। अन्य विद्यार्थियों को भी मिली आर्थिक सहायता-सत्यापन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद समिति द्वारा अन्य जरूरतमंद विद्यार्थियों को भी शिक्षा सहयोग प्रदान किया गया। एक बच्चे के एडमिशन हेतु 5,610, एक छात्रा की पढ़ाई के लिए 4,500 तथा एक अन्य छात्रा की शिक्षा सहायता हेतु 4,820 की राशि प्रदान की गई।

इंद्रजीत सिंह छोटू का वक्तव्य- समिति अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू ने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं बल्कि समाज परिवर्तन की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा- हमारी कोशिश सिर्फ आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि उन बच्चों के सपनों को मजबूत करना है जो प्रतिभाशाली होने के बावजूद संसाधनों की कमी से संघर्ष कर रहे हैं। समाज का हर सक्षम व्यक्ति यदि शिक्षा के लिए एक कदम आगे बढ़ाए, तो कोई भी बच्चा आर्थिक अभाव के कारण पढ़ाई से वंचित नहीं रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि समिति भविष्य में भी जरूरतमंद एवं मेधावी विद्यार्थियों के लिए इसी तरह सहयोग अभियान जारी रखेगी।

सारडा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड ने जारी किए चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 26 के कंपनी प्रदर्शन के आंकड़े

मुंबई : सारडा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड (BSE: 504614) (NSE: SARDAEN) (SEML या 'कंपनी') ने 31 मार्च, 2026 को समाप्त तिमाही और पूरे वर्ष के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। वित्त वर्ष 2026 मज़बूत बढ़त और बेहतर मुनाफे का साल रहा, जिसमें ईबीआईटीडीए 2,000 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया। सालाना आधार पर कर के बाद मुनाफे (पीएटी) में 58 प्रतिशत की बढ़त के साथ इसके 1,109 करोड़ रुपये पहुंचने के दम पर, कंपनी ने अब तक के सबसे अधिक 200 प्रतिशत डिविडेंड की घोषणा की है। थर्मल और हाइड्रो बिजली का अब तक का सबसे अधिक वार्षिक उत्पादन और बिक्री दर्ज की गई। ऊर्जा क्षेत्र विकास का मुख्य ज़रिया बनकर उभरा, जिसने वित्त वर्ष 2026 के कुल ईबीआईटीडीए में दो-तिहाई का योगदान दिया। स्पंज आयरन, आयरन ओर पेलेट्स, एचबी वायर्स और कोयले का अब तक का सबसे अधिक वार्षिक उत्पादन दर्ज किया गया। चौथी तिमाही के दौरान बेहतर रियलाइजेशन और निरंतर परिचालन गति के कारण रेवेन्यू 1,258 करोड़ रुपये पर स्थिर रहा। ईबीआईटीडीए सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़कर 352 करोड़ रुपये हो गया, जबकि कर के बाद मुनाफा (पीएटी) सालाना आधार पर 53 प्रतिशत की बढ़त के साथ 155 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो कि वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में 101 करोड़ रुपये था। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने एसकेएस पावर जेनरेशन (छत्तीसगढ़) लिमिटेड के लिए कंपनी की समाधान योजना को मंजूरी दे दी है, जिससे वित्त वर्ष 2030 तक क्षमता को दोगुना करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री पंकज सारडा ने कहा: वित्त वर्ष 2026 कंपनी के लिए एक रणनीतिक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ है, जहां ऊर्जा क्षेत्र के बढ़ते योगदान के दम पर हमारा ईबीआईटीडीए 2,000 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है। वैश्विक आपूर्ति में बाधाओं और कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद, हमने मज़बूत घरेलू मांग और अपनी परिचालन क्षमता के बल पर कई रिकॉर्ड हासिल किए हैं। कंपनी ने स्पंज आयरन, आयरन ओर पेलेट्स और एचबी वायर्स जैसे अपने प्रमुख उत्पादों में ऐतिहासिक रिकॉर्ड उत्पादन दर्ज किया है, साथ ही बिजली उत्पादन और कोयला उत्पादन में भी अब तक का सबसे ऊंचा स्तर हासिल किया है।

बेमेतरा पुलिस को मिली हाईटेक फॉरेंसिक मोबाइल वैन, डीआईजी साहू ने हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ

बेमेतरा। केंद्र एवं राज्य सरकार की आधुनिक पुलिसिंग की पहल के तहत छत्तीसगढ़ प्रदेश के सभी जिलों को अत्याधुनिक मोबाइल फॉरेंसिक वैन उपलब्ध कराई गई है। इसी क्रम में बेमेतरा जिले को भी करीब 65 लाख रुपये की लागत से तैयार आधुनिक सुविधाओं से लैस मोबाइल फॉरेंसिक वैन प्रदान की गई है। यह वैन अपराध स्थल पर वैज्ञानिक साक्ष्य संग्रहण और प्रारंभिक जांच को तेज एवं सटीक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बेमेतरा जिले मेंअपराध अनुसंधान को और अधिक वैज्ञानिक एवं प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। पुलिस उप महानिरीक्षक (ष्ठढ्ढत्र) रामकृष्ण साहू (ढ्ढक्क) ने आज शनिवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर में अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हाईटेक फॉरेंसिक मोबाइल वैन को पूजा-

अर्चना के बाद हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। कार्यक्रम मेंअतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव, वैज्ञानिक अधिकारी श्रीमती आकांक्षा सिंह, विशेष लोक अभियोजक अधिकारी अनिमेष मिश्रा, जिला लोक अभियोजक अधिकारी शिव गोपाल श्रीवास, जिला अभियोजन अधिकारी श्रीमती कविता राव, सहायक अभियोजन अधिकारी विनय अग्रवाल, श्रीमती मनीषा सिंह, सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। डीआईजी रामकृष्ण साहू ने कहा किजिले में हाईटेक फॉरेंसिक मोबाइल वैन की उपलब्धता से अपराध विवेचना में निश्चित रूप से मजबूती मिलेगी। उन्होंने बताया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत सात वर्ष या उससे अधिक सजा वाले गंभीर अपराधों में घटनास्थल पर फॉरेंसिक विशेषज्ञ की उपस्थिति और वैज्ञानिक साक्ष्य संग्रहण अनिवार्य किया गया है। इससे जांच अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और न्यायालय में प्रभावी होगी। उन्होंने कहा किअब साक्ष्य संग्रहण की प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी की जाएगी, जिससे जांच की विश्वसनीयता और बढ़ेगी। फॉरेंसिक विश्लेषण के माध्यम से अपराधियों की शीघ्र पहचान और गिरफ्तारी में मदद मिलेगी तथा संगठित अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई संभव हो सकेगी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव ने बताया किपहले फॉरेंसिक जांच के लिए साक्ष्यों को अन्य जिलों की प्रयोगशालाओं में भेजना पड़ता था, जिससे रिपोर्ट आने में विलंब होता था। अब प्रत्येक जिले में सीन ऑफ क्राइम यूनिट और हाईटेक फॉरेंसिक मोबाइल वैन उपलब्ध होने से जांच प्रक्रिया तेज होगी तथा दोषसिद्धि दर बढ़ाने में सहायता मिलेगी। वैज्ञानिक अधिकारी आकांक्षा सिंह नेमोबाइल फॉरेंसिक वैन में उपलब्ध आधुनिक उपकरणों और किट्स की जानकारी देते हुए बताया कि इसके माध्यम से घटनास्थल पर ही प्रारंभिक फॉरेंसिक जांच, साक्ष्य संरक्षण एवं वैज्ञानिक विश्लेषण किया जा सकेगा।

हाईटेक फॉरेंसिक मोबाइल वैन मेंजीपीएस सिस्टम, फिंगरप्रिंट डिटेक्शन किट, नार्कोटिक्स परीक्षण उपकरण, डिजिटल फॉरेंसिक सपोर्ट, फोटोग्राफी एवं डॉक्यूमेंटेशन सुविधा, बुलेट होल स्क्रीनिंग, बैलिस्टिक जांच, त्वस्क्र परीक्षण किट तथा लाइव लोकेशन ट्रैकिंग जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। कार्यक्रम का संचालनडीएसपी (मुख्यालय) राजेश कुमार झा ने किया तथा आभार प्रदर्शन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव ने किया। इस अवसर परएसडीओपी भूषण एक्का, डीएसपी श्रीमती शशीकला उईके, साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा, निरीक्षक कृष्णकांत सिंह, उप निरीक्षक अलील चंद, एमटीओ सहायक उप निरीक्षक माधव सिंह, विष्णु सप्रे सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संपादकीय

जस्टिस शरण की आपत्ति

एनएचआरसी के बारे में जस्टिस श्रीधरन की टिप्पणी इस धारणा की पुष्टि करती है कि संवैधानिक/वैधानिक संस्थाएं अपना काम करने के बजाय किसी राजनीतिक परियोजना से संचालित हो रही हैं। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने 588 मदरसों पर लगे आरोप की जांच करने का आदेश उत्तर प्रदेश सरकार को दिया। इल्जाम है कि ये मदरसे राज्य के अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से अनुदान हासिल करते हैं, लेकिन इमारत, फर्नीचर, हॉस्टल आदि के मामलों में बुनियादी शैक्षिक मानदंडों का पालन नहीं करते। एनएचआरसी के इस आदेश को टीचर्स एसोसिएशन मदारिस अरबिया और अन्य कई पक्षों ने हाई कोर्ट में चुनौती दी। वहां न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति विवेक शरण की बेंच ने एनएचआरसी के आदेश पर रोक लगा दी। लेकिन निर्णय सुनाने के क्रम में उन्होंने जो टिप्पणियां कीं, उनसे उनके मतभेद जाहिर हुए। जस्टिस शरण का कहना था कि चूंकि एनएचआरसी की तरफ से कोर्ट में कोई मौजूद नहीं हुआ, अत: उसके खिलाफ नकारात्मक टिप्पणी करना उचित नहीं है। जबकि जस्टिस श्रीधरन ने एनएचआरसी की कुल भूमिका पर सख्त आलोचनात्मक बातें कहीं। कहा कि जब मुसलमानों पर अत्याचार या उनकी लिंचिंग होती है, तो एनएचआरसी उन घटनाओं का संज्ञान नहीं लेता। उन्होंने ध्यान दिलाया कि एनएचआरसी का गठन मानव अधिकार अधिनियम 1993 के तहत हुआ था। उस कानून में मानव अधिकार की परिभाषा मौजूद है। उसके मुताबिक वे अधिकार इस दायरे में आएंगे, जिन्हें भारतीय संविधान में व्यक्ति के जीवन, स्वतंत्रता, समानता और गरिमा को सुनिश्चित करने के लिए शामिल किया गया है। साथ ही जो अंतरराष्ट्रीय संधियां भारत में लागू हैं, उनमें वर्णित अधिकार भी मानव अधिकार के दायरे में आते हैं। न्यायमूर्ति श्रीधरन ने कहा कि ऐसे अधिकारों की रक्षा तक खुद को सीमित रखने के बजाय एनएचआरसी वैसे मामलों में दखल दे रहा है, जिन्हें सामान्यत: संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत जन हित याचिका के जरिए अदालतों के सामने लाया जाना चाहिए। आज के दौर में संवैधानिक या वैधानिक संस्थाओं की बनी भूमिका के संदर्भ में ये टिप्पणी बेहद अहम है। यह इस आम धारणा की पुष्टि करती है कि ये संस्थाएं अपेक्षित कार्य करने के बजाय किसी राजनीतिक परियोजना से संचालित हो रही हैं। अत: जस्टिस शरण की आपत्ति तकनीकी रूप से जायज है, लेकिन जस्टिस श्रीधरन ने जो कहा, उसका संदर्भ व्यापक है।

आलेख

नवा रायपुर अटल नगर: विकास, निवेश और आधुनिक भारत का उभरता स्मार्ट शहर

सुनील कुमार त्रिपाठी

छत्तीसगढ़ की आधुनिक और योजनाबद्ध राजधानी नवा रायपुर अटल नगर आज देश के सबसे तेजी से विकसित हो रहे स्मार्ट शहरों में शामिल है। सुव्यवस्थित अधोसंरचना, हरित विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, आईटी, पर्यटन और महिला सशक्तिकरण जैसे विविध क्षेत्रों में हुई उल्लेखनीय प्रगति ने नवा रायपुर को भविष्य के भारत का आदर्श शहरी मॉडल बना दिया है। यह केवल प्रशासनिक राजधानी नहीं, बल्कि निवेश, नवाचार और समावेशी विकास का उभरता हुआ केंद्र है। नवा रायपुर अटल नगर में 52 एमएलडी क्षमता की पाइपलाइन और अत्याधुनिक जल शोधन संयंत्र के माध्यम से पूरे शहर में दीर्घकालिक पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। इससे वर्तमान आबादी के साथ-साथ नए विकसित हो रहे सेक्टरों की आवश्यकताओं की भी पूर्ति हो सकेगी।वर्षाजल संरक्षण और भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देने के लिए 10.66 किलोमीटर लंबी बायोस्वेल्स, रिचार्ज पिट्स और प्राकृतिक जल निकासी तंत्र विकसित किए गए हैं। इन पहलों ने न केवल जल संरक्षण को मजबूत किया है, बल्कि शहर के पर्यावरणीय संतुलन को भी सुदृढ़ किया है। रायपुर-राजिम रेल सेवा का नवा रायपुर के सीबीडी स्टेशन तक विस्तार शहर की कनेक्टिविटी को नई गति प्रदान कर रहा है। महिलाओं की सुरक्षित आवाजाही और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए पिंक ई-रिक्शा सेवा शुरू की गई है। साथ ही, ई-बस संचालन के लिए आवश्यक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार हो चुका है और सेवा प्रारंभ होने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। यह पहल हरित और टिकाऊ शहरी परिवहन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नवा रायपुर के 13 सहकारी विद्यालयों का उन्नयन किया गया है और दो उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को स्मार्ट स्कूल के रूप में विकसित किया गया है। लगभग 200 एकड़ क्षेत्र में एडूसिटी का विकास किया जा रहा है, जहाँ राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों जैसे नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और नेशनल फोरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी, नरसी मोंजी को भूमि आवंटित की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त सेक्टर-7 में 17 एकड़ भूमि पर आवासीय विद्यालय की स्थापना प्रस्तावित है। मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगभग 500 एकड़ क्षेत्र में विश्वस्तरीय मेडिसिटी विकसित की जा रही है। यहाँ सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, डायग्नोस्टिक सेंटर, धर्मशाला, होटल और आवासीय सुविधाएँ विकसित की जाएँगी। इस परियोजना के तहत बॉम्बे अस्पताल को 300 बिस्तरों वाले सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के लिए भूमि आवंटित की जा चुकी है। साथ ही, लगभग 50 एकड़ भूमि पर आवासीय विकास हेतु निजी निवेशकों को भूखंड आवंटित किए गए हैं, जिनमें लगभग 350 करोड़ रुपये के निवेश की संभावना है। कार्यरत महिलाओं के लिए 1,000 क्षमता वाले वर्किंग वुमन हॉस्टल का निर्माण 109 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। यह परियोजना महिला सुरक्षा, सुविधा और आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगी। इसके अतिरिक्त, प्रवासी श्रमिकों के लिए 1,100 क्षमता वाला सर्वसुविधायुक्त श्रमिक आवास भवन 40 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया जा रहा है। नवा रायपुर में 77 एकड़ भूमि पर सेवाग्राम तथा सेक्टर-39 में आर्ट ऑफ़ लिविंग फ़ाउंडेशन को 40 एकड़ भूमि आवंटित की गई है, जहाँ सांस्कृतिक और सामुदायिक गतिविधियों के बड़े केंद्र विकसित हो रहे हैं। सेक्टर-4 और 10 में लगभग 120 एकड़ क्षेत्र में निजी निवेश के माध्यम से कन्वेंशन सेंटर कम स्पोर्ट्स सिटी विकसित की जा रही है। लगभग 800 करोड़ रुपये की इस परियोजना में विश्वस्तरीय कन्वेंशन सेंटर और टेनिस, तैराकी, कुश्ती, तीरंदाजी तथा स्क्वैश जैसी खेल सुविधाएँ शामिल होंगी। नवा रायपुर में राज्य का पहला एसईजेड आधारित एआई डेटा सेंटर पार्क स्थापित किया जा रहा है, जिसमें लगभग 4,000 करोड़ रुपये का निजी निवेश अपेक्षित है।

बस्तर के जंगलों से राष्ट्रपति भवन तक: जब 'बड़ी दीदी' और गोडबोले दंपत्ति के मूक त्याग को मिलेगा देश का सर्वोच्च सम्मान

■ सोमवार को राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल में होगा 'पीपल्स पद्म' का महासंगम; राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी वनांचल के वास्तविक नायकों का सम्मान

डॉ. बुधरी ताती का 'बड़ी दीदी' बनकर सुदूर गाँवों तक पहुँचना और गोडबोले दंपत्ति का आदिवासी समाज के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए वर्षों तक किया गया निस्वार्थ कार्य आज की युवा पीढ़ी के लिए एक जीवंत प्रेरणा है। कल जब राष्ट्रपति भवन की भव्य दीवारें इन महान विभूतियों के योगदान की गूंज से गुंजायमान होंगी, तब पूरा छत्तीसगढ़ और देश गर्व से मुस्कुराएगा। यह 'पीपल्स पद्म' इस सत्य का उद्घोष है कि भारत अपने उन सपूतों को कभी नहीं भूलता, जो निस्वार्थ भाव से राष्ट्र की नींव को मजबूत करने में अपना जीवन समर्पित कर देते हैं।

पत्र सूचना कार्यालय द्वारा जारी

भारतीय गणराज्य की गौरवशाली परंपरा में कल (सोमवार) एक और ऐतिहासिक अध्याय जुड़ने जा रहा है। देश की राजधानी नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन के ऐतिहासिक दरबार हॉल में आयोजित भव्य नागरिक अलंकरण समारोह में भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू देश के उन अनमोल रत्नों को 'पद्म पुरस्कार' से अलंकृत करेंगी, जिन्होंने बिना किसी प्रचार-प्रसार की इच्छा के समाज के अंतिम छोर पर खड़े लोगों के जीवन को बदलने में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। हाल के वर्षों में देश ने पद्म पुरस्कारों के स्वरूप को बदलते और इन्हें वास्तव में 'पीपल्स पद्म' (जनता का पद्म) बनते देखा है। पहले जहाँ ये सम्मान महानगरों की चकाचौंध, रसूखदारों और सत्ता के गलियारों तक सीमित माने जाते थे, वहीं अब ये पुरस्कार सुदूर जंगलों, दुर्गम पहाड़ों, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों और जनजातीय बस्तियों के उन साधकों तक पहुँच रहे हैं, जिन्होंने कभी किसी सम्मान की कामना ही नहीं की। इसी कड़ी में कल का दिन विशेष रूप से छत्तीसगढ़ और मध्य भारत के जनजातीय समाज के लिए गौरव का अवसर बनने जा रहा है। बस्तर संभाग के सुदूर, दुर्गम और नक्सल प्रभावित वनांचलों में स्वास्थ्य सेवा, कुपोषण के खिलाफसंघर्ष, बालिका शिक्षा, नशामुक्ति और महिला सशक्तीकरण की अलख जगाने वाले छत्तीसगढ़ के तीन महान समाजसेवियों—डॉ. बुधरी ताती ('बड़ी दीदी') तथा प्रख्यात समाजसेवी दंपत्ति डॉ. रामचंद्र गोडबोले और श्रीमती सुनीता गोडबोले—को देश के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान 'पद्म श्री' से सम्मानित किया जाएगा। आइए विस्तार से जानते हैं कि क्यों इन विभूतियों का सम्मान पूरे राष्ट्र और मानवता के लिए गौरव का विषय है।

डॉ. बुधरी ताती ('बड़ी दीदी'): 500 गाँवों तक पैदल पहुँचकर सामाजिक परिवर्तन की अलख जगाने वाली महानायिका

छत्तीसगढ़ के दक्षिण बस्तर स्थित दंतेवाड़ा जिले के हीरानार गाँव की रहने वाली डॉ. बुधरी ताती को बस्तर अंचल का जनजातीय समाज अत्यंत सम्मान और स्नेह के साथ 'बड़ी दीदी' कहकर पुकारता है। पिछले चार दशकों से अधिक समय से वे सुदूर वनांचलों में वनवासी कल्याण, बालिका शिक्षा और महिला सशक्तीकरण के लिए अपना जीवन समर्पित किए हुए हैं। इसी मूक साधना और समाजसेवा के लिए उन्हें 'पद्म श्री' से सम्मानित किया जा रहा है।

जब रास्ते नहीं थे, तब बनीं सहारा

डॉ. बुधरी ताती की सेवा यात्रा वर्ष 1984 में शुरू हुई थी, जब बस्तर के घने जंगलों में न सड़कें थीं, न मोबाइल नेटवर्क और न ही बुनियादी सुविधाएँ। उस दौर में आदिवासी समाज के बीच जाकर उनका विश्वास जीतना किसी चुनौती से कम नहीं था। 'बड़ी दीदी' ने अबूझमाड़ और दंतेवाड़ा के नक्सल प्रभावित घने जंगलों के बीच सैकड़ों गाँवों की पैदल यात्राएँ कीं। उस समय वनवासी परिवार पूरी तरह वनोपज और दिहाड़ी मजदूरी पर निर्भर थे, जिसके कारण बच्चों की शिक्षा उपेक्षित रह जाती थी। बुधरी ताती ने माता-पिता को धैर्यपूर्वक समझाया कि शिक्षा ही उनके बच्चों के भविष्य को बदल सकती है और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ सकती है।

महिला सशक्तीकरण की नई इबारत

'बड़ी दीदी' ने केवल बच्चों को स्कूल भेजने तक अपना कार्य सीमित नहीं रखा, बल्कि आदिवासी महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक उत्थान के लिए भी उल्लेखनीय कार्य किए।

उन्होंने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में महिलाओं के लिए सिलाई-कढ़ाई एवं हस्तशिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किए।

उनके प्रयासों से अनेक आदिवासी महिलाएँ आत्मनिर्भर बनकर अपने पैरों पर खड़ी हुईं।

उनकी प्रेरणा से कई आदिवासी बेटियाँ आज विभिन्न अस्पतालों में नर्स के रूप में कार्यरत हैं।

कुपोषण और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफअभियान

मारिया और मुरिया जनजातीय समुदायों के बीच कार्य करते हुए उन्होंने देखा कि जागरूकता के अभाव में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर अत्यधिक थी। डॉ. बुधरी ताती ने पारंपरिक जनजातीय ज्ञान और आधुनिक स्वास्थ्य पद्धतियों के समन्वय से स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने का कार्य किया। इसके साथ ही उन्होंने शराबखोरी, घरेलू हिंसा और अंधविश्वास जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ भी व्यापक अभियान चलाया। सीमित संसाधनों से शुरू हुआ उनका यह प्रयास आज बस्तर के सामाजिक परिवर्तन की मिसाल बन चुका है।

डॉ. रामचंद्र गोडबोले और सुनीता गोडबोले: बस्तर के जंगलों में सेवा और समर्पण की मिसाल

जब समर्पण और मानवता की बात होती है, तब 'युगल श्रेणी' में दिए जाने वाले पद्म पुरस्कारों का महत्व और बढ़ जाता है। महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के सुदूर वनांचलों में चिकित्सा एवं सामाजिक सेवा की नई परिभाषा गढ़ने वाले डॉ. रामचंद्र गोडबोले और श्रीमती सुनीता गोडबोले को संयुक्त रूप से 'पद्म श्री' से सम्मानित किया जा रहा है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में चिकित्सा सेवा का कठिन सफर

बस्तर संभाग दशकों से नक्सली हिंसा और भौगोलिक दुर्गमता की चुनौतियों से जूझता रहा है। ऐसे समय में, जब मुख्यधारा के डॉक्टर और सामाजिक कार्यकर्ता इन क्षेत्रों में जाने से कतराते थे, तब गोडबोले दंपत्ति ने अबूझमाड़ और आसपास के दुर्गम इलाकों को अपनी कर्मभूमि बनाया। उन्होंने अपने जीवन के कई महत्वपूर्ण वर्ष आदिवासी क्षेत्रों की सेवा में समर्पित कर दिए। उनका उद्देश्य था कि स्वास्थ्य सेवाएँ उन लोगों तक पहुँचें, जिनकी आधुनिक चिकित्सा तक पहुँच लगभग न के बराबर थी।

कुपोषण और शिशु स्वास्थ्य के खिलाफसंघर्ष

आदिवासी क्षेत्रों में गरीबी, जागरूकता की कमी और अंधविश्वास के कारण बच्चों में कुपोषण गंभीर समस्या बना हुआ था। गोडबोले दंपत्ति ने इस दिशा में कई महत्वपूर्ण प्रयास किए

1. कुपोषित बच्चों की पहचान कर स्थानीय स्तर पर पौष्टिक आहार योजनाओं को बढ़ावा दिया।
2. दुर्गम गाँवों में नियमित स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए।
3. आदिवासियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित कर उन्हें आधुनिक चिकित्सा प्रणाली से जोड़ने का प्रयास किया।

मानवीय सेवा का व्यापक स्वरूप

गोडबोले दंपत्ति का कार्य केवल दवाइयाँ बाँटने तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने आदिवासी समाज के समग्र कल्याण, स्वास्थ्य जागरूकता और सामाजिक उत्थान के लिए निरंतर कार्य किया। उन्होंने युवाओं को प्राथमिक स्वास्थ्य तकनीकों का प्रशिक्षण देकर ग्रामीण स्तर पर स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में भी काम किया। उनकी निस्वार्थ सेवा के कारण बस्तर के अनेक आदिवासी उन्हें आज भी अत्यंत सम्मान और श्रद्धा की दृष्टि से देखते हैं।

'पीपल्स पद्म': पुरस्कार व्यवस्था में बदलाव की नई तस्वीर

नई दिल्ली में आयोजित होने वाला यह समारोह इस बात का प्रमाण है कि पद्म पुरस्कारों की प्रक्रिया अब अधिक लोकतांत्रिक और जन-केंद्रित हुई है। अब देश का कोई भी नागरिक ऑनलाइन माध्यम से किसी गुमनाम नायक का नामांकन कर सकता है। चयन प्रक्रिया में प्रसिद्धि या राजनीतिक प्रभाव के बजाय जमीनी कार्य और सामाजिक प्रभाव को प्राथमिकता दी जा रही है। महानगरों से आगे बढ़कर अब बस्तर, अबूझमाड़ और दंतेवाड़ा जैसे क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं को भी राष्ट्रीय पहचान मिल रही है। इस वर्ष घोषित कुल 131 पद्म पुरस्कारों में 5 पद्म विभूषण, 13 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री शामिल हैं, जो भारत की विविध प्रतिभाओं और सेवाभावी व्यक्तित्वों का प्रतिनिधित्व करते हैं। कल जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू स्वयं डॉ. बुधरी ताती और गोडबोले दंपत्ति को पद्म श्री प्रदान करेंगी, तब वह केवल एक पुरस्कार वितरण समारोह नहीं होगा, बल्कि उसका गहरा सामाजिक और प्रतीकात्मक महत्व भी होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू स्वयं जनजातीय पृष्ठभूमि से आती हैं और उन्होंने जीवन में संघर्ष तथा अभावों को निकट से देखा है। ऐसे में उनके हाथों से वनांचलों में कार्य करने वाले इन समाजसेवियों को सम्मान मिलना विशेष रूप से प्रेरणादायक माना जा रहा है।

यह सम्मान इस बात का भी संदेश है कि देश अब बस्तर जैसे क्षेत्रों को केवल संघर्ष और हिंसा के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और सामाजिक परिवर्तन की भूमि के रूप में भी पहचान रहा है।

फिर कैसे मिले सुर मेरा-तुम्हारा

-उमेश चतुर्वेदी

ममता को राजनीति में पहला बड़ा ब्रेक बेशक राजीव गांधी ने दिया, लेकिन वाममोर्चा के साथ राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेसी सहयोग ने उन्हें बाद के दिनों में गांधी-नेहरू परिवार से दूर कर दिया। हालिया हार के बावजूद अपनी संघर्षशीलता के चलते ममता विपक्षी राजनीति का अब भी बड़ा चेहरा हैं। विधानसभा चुनावों में बड़े विपक्षी चेहरों की बड़ी नाकामी से विपक्षी खेमे में खलबली मच गई है। बंगाल की शेरनी कही जाने वाली ममता बनर्जी की हार ने विपक्षी खेमे के उन दलों के माथे पर पसीने की बूंदें उभर आई हैं, जो इन चुनावों से बेपरवाह थे। केरल की गठबंधन सरकार में वापसी की वजह से कांग्रेस थोड़ी राहत में भले ही हो, लेकिन ज्यादातर क्षेत्रीय दलों को अपने अस्तित्व पर खतरा नजर आने लगा है। तमिलनाडु में सत्ता की चाहत में विपक्षी गठबंधन टूट भी चुका है। कांग्रेस के हाथ ने डीएमके का बरसों पुराना साथ छोड़ नवेली टीवीके का दामन थाम लिया है। दूसरी तरफधांधली का आरोप लगाने के साथ ही ममता बनर्जी को विपक्षी एकता, खासकर इंडिया ब्लॉक की याद आने लगी है। अब उन्हें विपक्षी एकता मजबूत करने की याद भी आने लगी हैं। दिलचस्प यह है कि अतीत में इंडिया ब्लॉक की एकता से बेपरवाह रहीं ममता को अब उसी की बहुत याद आने लगी है। वैसे विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस की ओर से भी कम गलतियां नहीं हुई हैं। राहुल गांधी का पश्चिम बंगाल में बीजेपी की बढ़त के लिए ममता को खुलेआम जिम्मेदार ठहराना एक तरह से तृणमूल की ताबूत का कील ही साबित हुआ। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि विपक्षी एकता का विचार सिरे से परवान चढ़ सकता है ? अतीत में एकता को लेकर जिस तरह विपक्षी खेमे में एक-दूसरे को शह और मात देने का खेल चला है, उससे क्या मुकम्मल एकता की उम्मीद बचती है? 2024 के आम चुनावों के पहले विपक्षी राजनीति को एक मंच पर लाने और भाजपा विरोधी मोर्चा बनाने की कोशिश तो हुई, लेकिन आपसी टकराव और वर्चस्व के चलते यह हकीकत नहीं बन पाया। 23 जून 2023 को पटना में बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुआई में विपक्षी क्षत्रपों की बैठक में इंडिया ब्लॉक बनाने का फैसला तो हुआ,लेकिन नेतृत्व के मुद्दे पर एक राय नहीं बन पाई। नीतीश कुमार ने खुलकर भले ही कभी नहीं कहा, लेकिन उनकी चाहत थी कि विपक्षी गठबंधन का संयोजक उन्हें बनाया जाय। लेकिन कांग्रेसी आलाकमान की वजह से ऐसा नहीं हो पाया। दरअसल कांग्रेस विपक्षी राजनीति की लगाम खुद के हाथ में ही रखना चाहती है। नीतीश कुमार, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और एमके स्टालिन का साथ तो उसे चाहिए, लेकिन इनमें से किसी का भी नेतृत्व उसे गवारा नहीं। अपने पहले परिवार की पूरी स्वीकार्यता भले ही ना हो, लेकिन अगुआई कांग्रेस को ही चाहिए। यही वजह है कि विपक्षी राजनीति के सबसे ज्यादा स्वीकार्य चेहरा रहे नीतीश कुमार ने निराशा में उसी मोदी का हाथ थाम लिया, जिनसे वे दूर हो चुके थे। इसके बाद का इतिहास सबको पता है। ममता को राजनीति में पहला बड़ा ब्रेक बेशक राजीव गांधी ने दिया, लेकिन वाममोर्चा के साथ राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेसी सहयोग ने उन्हें बाद के दिनों में गांधी-नेहरू परिवार से दूर कर दिया। हालिया हार के बावजूद अपनी संघर्षशीलता के चलते ममता विपक्षी राजनीति का अब भी बड़ा चेहरा हैं। उनकी अपनी छवि अक्सर राहुल गांधी पर भी भारी पड़ती है। इंडिया ब्लॉक के विचार के वक्त पूर्व कांग्रेसी होने के नाते ममता को पता था कि कांग्रेस अपने हाथ में नेतृत्व बनाए रखने के लिए हर मुमकिन कोशिश करेगी, इसीलिए उन्होंने ही नीतीश कुमार और लालू यादव को पहली बैठक पटना में कराने का सुझाव दिया था। बाद के दिनों में कांग्रेस ने जैसी चाल चली, उससे विपक्षी एकता का राग बेसुरा हो गया। जिसका

नतीजा लोकसभा चुनाव नतीजों में दिखा भी। विपक्ष को उसी वक्त चेतना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। असर यह हुआ कि हरियाणा, महाराष्ट्र और बिहार के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने बाजी मार ली। बाकी कसर बीते विधानसभा चुनावों ने पूरी कर दी है। गौर करने की बात है कि जब भी सत्ता पक्ष के उफान में विपक्ष बह जाता है, उसकी एकता की छटपटाहट बढ़ जाती है। ज्यादातर यह अस्तित्व संकट टालने का यह फौरी उपाय होता है। तब वह हार के बाद वोटों के गुणा-गणित में जुट जाता है। फिर उसे इलहाम होता है कि अगर वह एक रहता तो वह भारी पड़ता। 1962 के आम चुनावों में नेहरू को फूलपुर की सीट पर सीधी चुनौती में हार मिलने के बाद लोहिया को भी कुछ ऐसा ही लगा। तब भारी उत्सुकता और उत्साह के बावजूद लोहिया हार गए थे। इसके बाद उन्होंने गैर कांग्रेसवाद का विचार दिया। तब कांग्रेस को 44 प्रतिशत से कुछ ज्यादा वोट मिले थे। लोहिया को लगा कि विरोध में पड़े 56 प्रतिशत वोटों को अगर एक किया जाता तो नतीजे कुछ और होते। गैर कांग्रेसवाद के बैनर के तले उन्होंने 1963 के उपचुनावों और 1967 के आम चुनावों में इसे आजमाया। इसका असर यह हुआ कि आठ राज्यों से कांग्रेस की विदाई हो गई। तब से सत्ता में आने वाली पार्टी के खिलाफबाकी विपक्ष की एकता के सुर उठने की परंपरा बन गई है। कभी यह कांग्रेस के खिलाफ होता था, जिसमें वाममोर्चा और जनसंघ-बीजेपी भी शामिल रहते थे, अब यह भाजपा के खिलाफहो रहा है। प. बगाल के बीते विधानसभा चुनाव में ममता को जहां करीब 42 प्रतिशत वोट मिला है, वहीं बीजेपी को करीब 46 प्रतिशत। कांग्रेस को 2.97 और वाममोर्चे को 4.45 प्रतिशत वोट मिले हैं। गैर बीजेपी वोटों को मिला दें तो यह आंकड़ा 49 प्रतिशत से ज्यादा हो जाता है। चुनावी राजनीति में सात प्रतिशत का अंतर बड़ा होता है। अब विपक्षी खेमे को लग रहा है कि अगर वे एक होते तो बीजेपी को ऐसी जीत नहीं मिलती। वैसे चुनावी गणित सामान्य गणित की तरह नहीं होता। 2018 के विधानसभा चुनाव में मध्य प्रदेश में कांग्रेस से बीजेपी को पांच लाख से ज्यादा वोट मिले थे, लेकिन सीटों के मामले में वह पिछड़ गई थी। चुनावी मैदान में जब सिर्फ दो खेमे होते हैं, तब मतदाताओं के बीच लंबवत ध्रुवीकरण हो जाता है। तब बिखराव वाले आंकड़े भी बदल जाते हैं। 2014 के संसदीय चुनाव में उत्तर प्रदेश में ऐसा साफ दिखा, जब बीजेपी सब पर भारी रही। संसदीय चुनाव में सफलता के लिहाज से देखें तो कांग्रेस की 99 सीटों के बाद 37 सीटों के साथ समाजवादी पार्टी विपक्ष का दूसरा बड़ा दल है। तीसरे नंबर पर 29 सीटों के साथ ममता ही हैं। इंडिया ब्लॉक की पहली बैठक के पीछे ममता का भी विचार था, फिर भी ना तो लोकसभा और ना ही विधानसभा चुनाव में उन्होंने कांग्रेस या ब्लॉक के दूसरे दलों को तवज्जो दिया। तमिलनाडु में डीएमके के साथ कांग्रेस की खींचतान जारी रही। विपक्ष के किसी भी दल ने एकता की कीमत पर त्याग स्वीकार नहीं किया। विपक्षी खेमे का संकट यह है कि वह अपने प्रभाव वाले क्षेत्रों में सहयोगियों से हिस्सेदारी बांटना ही नहीं चाहता। मजबूत एकता के लिए विपक्ष के पास राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य साफ छवि वाला चेहरा होना जरूरी है। लेकिन विपक्ष के पास ऐसा चेहरा है भी नहीं। ममता बड़ी नेता तो हैं, लेकिन उनकी तुनकमिजाजी उन्हें सर्वमान्य चेहरा मानने के राह की बड़ी बाधा है। राहुल मोदी-शाह की जोड़ी को चाहे जिस अंदाज में चुनौती दें, मोदी विरोधी बौद्धिकों को उनका यह अंदाज चाहे जितना भी पसंद हो, लेकिन आमजन को उनमें कई बार बचकानापन नजर आता है तो कई मर्तबा प्रहसन। स्टालिन चाहे जितनी अच्छी तमिल बोलें, लेकिन राष्ट्रीय स्तर स्वीकार्यता के लिए वे अयोग्य हैं। इसी तरह केजरीवाल के पास बड़ा आधार नहीं है। रही बात अखिलेश यादव की तो, वे भी जमीनी राजनीति के बजाय बयानों के गुब्बारे उड़ाने के उस्ताद होते गए हैं। आपसी अहं के टकराव के चलते नीतीश विपक्षी खेमा छोड़ चुके हैं। दूसरी बड़ी नेता ममता को चुनावी मैदान में करारी शिकस्त मिल गई है। अखिलेश को भी अगले साल उत्तर प्रदेश के सियासी मैदान में बीजेपी से दो-दो हाथ करना है। बीजेपी की कोशिश उन्हें तीसरी बार शिकस्त देने की होगी। अगर वह ऐसा करने में कामयाब रही तो उसके सामने दूर-दूर तक कोई चुनौती नहीं होगी। ऐसे में विपक्षी खेमे का संकट बड़ा है। अतीत के विपक्षी व्यवहार से नहीं लगता कि शायद ही भविष्य में कोई मजबूत मोर्चा बन सके। खुलकर विपक्षी खेमा भले ही ना कहे, लेकिन अंदर ही अंदर वह जरूर गुनगुना रहा है, कैसे मिले सुर हमारा-तुम्हारा....

भगवान नेमिनाथ मोक्षस्थल पर उनकी भावनाओं को अपनी आत्मा तक पहुंचाना महान भाग्य उदय, गिरनार धर्म यात्रा की सफलता हेतु मंगल आशीर्वाद: पू. आचार्य श्री 108 भारत भूषण जी मुनिराज

जलालाबाद (विश्व परिवार)। दिल्ली से गिरनार जी तक 25 जून 2026 को आरम्भ होकर विभिन्न राज्यों से होकर 19 जुलाई को गिरनार जी पहुंचने वाली 25 दिवसीय 5100 किमी लंबी श्री नेमि गिरनार धर्म यात्रा की सफलता हेतु 23 मई को अतिशय क्षेत्रों के दर्शन कर पूज्य संतों का ले रहे मंगल आशीर्वाद और मार्गदर्शन

रामपुर मनीहारन में ससंघ विराजमान पूज्य आचार्य श्री 108 भारत भूषण जी मुनिराज ने गिरनार धर्म यात्रा की सफलता हेतु विश्व जैन संगठन के सदस्यों और सहयोगियों को मंगल आशीर्वाद देते हुए समस्त समाज को भगवान नेमिनाथ के मोक्ष दिवस पर मोक्षस्थल गिरनार जी के दर्शन और चरण वंदन कर नेमि प्रभु की भावनाओं को अपनी आत्मा तक पहुंचानने महान भाग्य का उदय होना बताया।

विश्व जैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संजय जैन ने समस्त समाज को अगामी 25 जून को दिल्ली से आरम्भ होकर 19 जून को गिरनार जी पहुंचने वाली श्री नेमी गिरनार धर्म यात्रा से जुड़ने, सहयोग करने और 20 जुलाई को गिरनार वंदना के लिए निवेदन किया और गुजरात तीर्थ क्षेत्र कमेटी द्वारा गिरनार आने वाले सभी श्रद्धालुओं के रहने भोजन की व्यवस्था किए जाने की सूचना दी।

भारतवर्षीय दिगंबर तीर्थ क्षेत्र कमेटी के दिल्ली अंचल के अध्यक्ष श्री प्रद्युम्न जैन ने 20 जुलाई को गुजरात पुलिस प्रशासन से गिरनार वंदना में सुरक्षा व्यवस्था किए जाने की मांग करते हुए संगठन की धर्म यात्रा में सहयोग करने का आश्वासन दिया।

सभा में संगठन के सम्मानित सदस्य अनुज जैन (लक्ष्मी नगर, दिल्ली), सहारनपुर शाखा अध्यक्ष

अरिहंत जैन, मंत्री आयुष जैन, सदस्य विनीत जैन, आयुष जैन, निपुण जैन और अन्य सदस्य उपस्थित रहें।

संगठन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने जलालाबाद से शामली की और ससंघ विहार कर रहे पूज्य आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर जी महाराज के दर्शन का गिरनार धर्म यात्रा हेतु मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। शामली से श्री मोहित जैन उपस्थित रहे।

जलालाबाद में विराजमान अतिश्यकारी भगवान पार्श्वनाथ और टिकरौल में विराजमान भगवान पार्श्वनाथ व भगवान शांतिनाथ की प्राचीन प्रतिमाओं के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

जलालाबाद अतिशय क्षेत्र अध्यक्ष श्री सुशील जैन और टिकरौल अध्यक्ष श्री तुषार जैन ने कमेटी की और से सभी का स्वागत किया।

ग्राफ्टेड बैगन की खेती से लाखों की आय अर्जित कर रहे कृषक नवीन

रायपुर (विश्व परिवार)। ग्राफ्टेड बैंगन की खेती पारंपरिक विधि की तुलना में कहीं अधिक लाभकारी है। इसमें दो अलग-अलग पौधों को जोडक़र एक नया पौधा तैयार किया जाता है, जिससे पौधे की रोग-प्रतिरोधक क्षमता कई गुना बढ़ जाती है और उपज 20-30 प्रतिशत तक अधिक मिलती है। कठिन परिश्रम, नवाचार और आधुनिक कृषि तकनीक के बेहतर समन्वय से किसान किस तरह अपनी तकदीर बदल सकते हैं, इसका जीवंत उदाहरण महासमुंद जिले के बसना विकासखंड अंतर्गत ग्राम बोहारपार के प्रगतिशील किसान नवीन साव ने पेश किया है। पारंपरिक खेती के ढर्रे से आगे बढ़ते हुए उन्होंने उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में ग्राफ्टेड बैगन की उन्नत खेती को अपनाया है। आज

वे अपनी इस अनूठी पहल से अंचल के अन्य किसानों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गए हैं।धान की तुलना में पांच गुना से अधिक का शुद्ध लाभकृषक नवीन साव ने बताया कि वे पूर्व में अपने खेतों में केवल पारंपरिक धान की खेती करते थे, जिससे उन्हें काफी सीमित आय प्राप्त होती थी। धान की फसल से उन्हें प्रति एकड़ लगभग 21 क्विंटल का उत्पादन और करीब 45 हजार 600 रुपए का लाभ मिल पाता था। अपनी आय बढ़ाने के उद्देश्य से उन्होंने वर्ष 2025-26 में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत ग्राफ्टेड बैगन की खेती प्रारंभ की। उन्होंने अपनी 1.31 हेक्टेयर भूमि पर वैज्ञानिक पद्धति का अनुसरण करते हुए ड्रिप सिंचाई (टपक सिंचाई) और मल्चिंग तकनीक का उपयोग किया।

गुरू का कथन ही मंत्र, शिरोधार्य करने वाले शिष्य की सफलता सुनिश्चित,मुनपुंगव श्री सुधासागर महाराज

गौरेला (विश्व परिवार)। विश्व वंद्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के ज्येष्ठ शिष्य निर्यापक मुनि श्री सुधासागर महाराज ने कहा कि किसी साधु विशेष के लिए समर्पण और भक्ति के भाव और अन्य साधुओं के लिए वैमनस्य पालना मुनि भक्ति के लक्षण नहीं है। आपने बताया कि साधु विशेष के प्रति समर्पित हो सकते हैं पर अन्य साधुओं के प्रति भी आदर का भाव होना चाहिए। आपने कहा कि साधुओं को भी परस्पर आदर का भाव रखना चाहिए। वर्तमान काल की विसंगति का उल्लेख करते हुए मुनि श्री सुधासागर महाराज ने कहा कि मुनि भक्त ही मुनियों का अनादर अपमान और आघात कर रहे हैं। ये मुनि भक्त हो ही नहीं सकते।

आपने कहा मेरा सौभाग्य है कि मैं

परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का शिष्य हूं,उनका आशीर्वाद ही मेरा रक्षा-कवच है। मध्य प्रदेश के अशोकनगर में एक जिज्ञासा का समाधान करते हुए उपरोक्त कथन व्यक्त किया। आगे मुनि श्री सुधासागर महाराज ने कहा कि गुरू का कथन शिष्य के लिये मंत्र है। मैंने गुरू के वचनों को मंत्र मान शिरोधार्य किया है। गुरू वचन के अनुसार आचरण करने से सफलता कभी संदिग्ध हो ही नहीं सकती।

मेरी किसी से शत्रुता नहीं,मेरा कोई बैरी नहीं :- मेरा कोई शत्रु नहीं,मेरी किसी से शत्रुता नहीं,ये बताते हुए मुनि श्री सुधासागर महाराज ने कहा मेरा कोई शत्रु नहीं किंतु अन्य कोई मुझे शत्रु समझता है तो इस पर मेरा कोई वश नहीं, वो उसका भाव है उसकी समझ है।ऐसे ही सब स्वयं पर संयम रखें तो कोई किसी का शत्रु ही नहीं रहेगा। मैत्री भाव जगत में मेरा सब जीवों से नित्य रहे,दीन दुखी जीवों पर मेरे उर से करुणा श्रोत बहे,जैन दर्शन में यही तो मेरी भावना है। आपने आगे बताया कि मेरे गुरु आचार्य श्री विद्यासागर महाराज ने मुझसे कहा था कि संसार में गजवत् चलना कभी बाधा नहीं आयेगी। मैंने गुरू के कथन को मंत्र मान शिरोधार्य किया और गज की भांति आगे देखते हुते चलता जाता हूं,पीछे कभी मुड़कर देखा ही नहीं देखने की आवश्यकता ही नहीं। साधु सदा आगे देखता है गज के पीछे क्या शोर हो रहा है उससे गज को कोई सरोकार नहीं। मेरा कोई तीर्थ क्षेत्र नहीं,मगर मेरी प्रेरणा और आशीर्वाद से असंख्य भव्य तीर्थ क्षेत्रों का उद्धार और निर्माण हुआ है धर्म वृद्धि हो रही है, किंतु मेरा कुछ भी नहीं। संसार का कोई आलंबन मेरे साथ नहीं मात्र मेरे गुरु की दी हुई मयूरपंख पिच्छिका और कमंडलू के सिवा कुछ भी नहीं। मेरे गुरु ने मुझसे कहा कि कभी अपना निजी स्वार्थ देखना नहीं और किसी का अहित कभी करना नहीं प्रत्येक कार्य सफल होंगे, गुरू के मंत्र रूपी इस कथन का ही प्रभाव है कि जो मुख से निकल जाता है वह पूरा हो जाता है,ये भी गुरुमंत्र का ही प्रभाव है।

ऐतिहासिक नगरी आरंग में धरोहरों का मिलना जारी

रायपुर (विश्व परिवार)। 1946 का मिला हस्तलिखित भजन संग्रह आरंग/ऐतिहासिक और प्राचीन नगरी आरंग में अतीत के पन्नों सेपुरानी पांडुलिपि मिलने का सिलसिला जारी है। भारत सरकार के ज्ञानभारतम मिशन' के तहत आरंग में पिछले कुछ समय से 75 से 100 वर्ष से भी अधिक पुरानी हस्तलिखित पांडुलिपियां व पोथियां प्राप्त हो रही हैं।इसी कड़ी में रविवार को आरंग के अग्रवाल पारा निवासी दाऊ रविंद्र अग्रवाल माता पिता (स्व नारायण लाल अग्रवाल एवं स्व कांता देवी अग्रवाला) के निवास से 1946 के हस्तलिखित पत्र व भजन माला एवं वर्ष 1928 से 1930 के कालखंड की पोथियां भी मिली हैं, जो आदित्य हृदय स्तोत्र व बागवानी से संबंधित है।

वहीं श्री अग्रवाल ने अपने परिसर में स्थित लगभग 200 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक कुएं और तुलसी चौरे होने की महत्वपूर्ण जानकारी भी सर्वेक्षण टीम के साथ साझा किया

जो उस समय की क्षेत्र की प्राचीन जीवनशैली और संस्कृति को दर्शाती है।गौरतलब है कि आरंग क्षेत्र में यह गौरवशाली अभियान कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ कुमार विश्वरंजन के कुशल मार्गदर्शन में सुचारू रूप से चलाया जा रहा है।

उच्च अधिकारियों का मार्गदर्शन में सर्वे टीम से शिक्षक महेन्द्र कुमार पटेल एवं अरविंद कुमार वैष्णव, शिक्षिका शीला गुरु गोस्वामी व नोडल अधिकारी अजय ध्रुव नगर व क्षेत्र के दुर्लभ पोथियों व हस्तलिखित पांडुलिपियों को सहेजने का कार्य कर रहे हैं।इस महत्वपूर्ण पोथियों व हस्तलिखित पांडुलिपियों की जानकारी विशेष रूप रविन्द्र अग्रवाल,श्रीमती मालिनी अग्रवाल, रिया अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, ओम अग्रवाल ने दी।

हिंडौन सिटी के जैन समाज के प्रतिभावान छात्र को उच्च शिक्षा के लिये युवा दल ने 30 हजार की राशि सौंपी, युवक छात्र के माता-पिता का हो चुका है देहांत

रामगंजमंडी (विश्व परिवार)। हिंडौन सिटी के जतिन जैन जिन्होंने 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करके जेईई मेन परीक्षा में 97 फीसदी अंक प्राप्त किये। इस छात्र की इच्छा बीटेक कर सफल इंजीनियर बनना है, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति काफी कमजोर है। छात्र के पिता अशोक कुमार जैन एवं माता अनीता जैन का स्वर्गवास हो गया। यह लड़का अपने नाना-नानी के पास रहता है। छात्र की बहिन का विवाह रामगंजमंडी में हुआ जो कि सुभाष कॉलोनी में रहती है।

सुभाष कॉलोनी में ही इस छात्र की बहिन के मकान के पास रहने वाले जिला अस्पताल में कार्यरत फार्मासिस्ट नीरज मीणा को जब इस प्रतिभावान छात्र की फीस में आ रही परेशानी की जानकारी मिली, तो उन्होंने रामगंजमंडी इलाके में सबकी मदद करने वाली सामाजिक संस्था युवा दल के सचिव

प्रमुख समाजसेवी राजकुमार पारख को इस छात्र के मामले से अवगत करवाया और मदद करने की अपील की। इस पर युवा दल सचिव राजकुमार पारख ने छात्र जतिन जैन से संपर्क करके उन्हें रामगंजमंडी बुलाया और सारी जानकारी हासिल की। जतिन जैन ने बताया कि उनकी माता का स्वर्गवास 2011 में एवं पिता का स्वर्गवास 2018 में हो गया। मुझे अपने भविष्य के लिए बीटेक करके इंजीनियर बनना है और इस उच्च शिक्षा के लिए हर हालत में 52 हजार रुपए 30 मई तक जमा करवाने हैं। 22 हजार रुपए का इंतजाम उनके जियाजी ने करवाया है, अब उन्हें 30 हजार रुपये की राशि की जरूरत है। युवा दल सचिव ने छात्र के माता-पिता के मृत्यु प्रमाण पत्र एवं छात्र की मार्कशीट देखी और युवा दल चौराहे पर जतिन जैन को 30 हजार रुपए की राशि सौंपी। इससे पहले भी युवा दल उज्जैन की दो लड़कियों, अहमदाबाद, रावतभाटा और कोटा के छात्रों की स्कूल और कॉलेजों की फीस जमा करवाने का कार्य करता रहा है। वही युवा दल वह सामाजिक संस्था है, जो कई जरूरतमंद परिवारों को प्रत्येक माह का पूरा राशन का सामान दिलवा कर मदद कर रही है। बीमार, दिव्यांग और जरूरतमंद जिस आशा और उम्मीद से युवा दल के पास आते हैं, उनकी उम्मीदों को काफी लंबे अर्से से युवा दल पूरी करता आया है।

जतिन जैन की मदद में सहयोग

समाजसेवी युवा दल सचिव राजकुमार पारख ने बताया कि जतिन जैन को 30 हजार की राशि देने में युवा दल के सदस्य बाबू पोरवाल, टीकम मित्तल, राम गुप्ता, अमित उपाध्याय, शैलेंद्र विनायका, अंतिम अग्रवाल, अनेकांत जैन, हितेश गर्ग, प्रियांशु जैन, हाजी मुश्ताक अली, संजय मित्तल और योगेश दलाल का योगदान रहा। जैन श्वेतांबर समाज के गौरव बापना सुशील गोखरू, विजय चोपड़ा, संजय नाकोड़ा, मोहित छाजेड़, गजेंद्र छाजेड़ ने कहा कि 15 अप्रैल को भगवान आदिनाथ के मंदिर के प्रतिष्ठा महोत्सव में खरतरगच्छाधिपति आचार्य जिनमणिप्रभ सूरीश्वर ने हमारे संघ के अध्यक्ष राजकुमार पारख को संघ भूषण की उपाधि से अलंकृत किया था। इनके द्वारा समय-समय पर हर समाज के जरूरतमंदों की मदद करने से इन्होंने मिली हुई संघ भूषण की पदवी को सुशोभित किया है। मदद राशि मिलने के बाद छात्र जतिन जैन, उनके जियाजी गौरव जैन, बहिन महिमा ने युवा दल का आभार जताया।

एम्स रायपुर ने 10 माह के मासूम को दी नई जिंदगी, दुर्लभ हृदय सर्जरी में मिली बड़ी सफलता

रायपुर (विश्व परिवार)। बाल हृदय चिकित्सा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर ने 10 माह के एक मासूम शिशु की दुर्लभ और अत्यंत जटिल हृदय शल्य चिकित्सा सफलतापूर्वक संपन्न की। शिशु 'एएलसीएपीए' (एनॉमलस लेफ्ट कोरोनरी आर्टरी फ्रॉम द पल्मोनरी आर्टरी) नामक अत्यंत दुर्लभ और जानलेवा जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित था। यह बीमारी लगभग तीन लाख नवजात शिशुओं में से किसी एक में पाई जाती है।

रायपुर जिले के रहने वाले इस शिशु को अत्यधिक जोखिमपूर्ण स्थिति के कारण कई स्वास्थ्य संस्थानों में उपचार से मना कर दिया गया था। बाद में उसे एम्स रायपुर रेफर किया गया, जहां कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी, कार्डियोलॉजी, कार्डियक एनेस्थीसिया, रेडियोलॉजी और पीडियाट्रिक्स विभागों के विशेषज्ञों की बहु-विषयक टीम ने इस चुनौतीपूर्ण सर्जरी को अंजाम दिया।कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. नाइक के अनुसार, एएलसीएपीए जन्मजात हृदय रोगों में सबसे दुर्लभ और जटिल बीमारियों में से एक है तथा दुनिया में केवल कुछ ही विशेष चिकित्सा केंद्र ऐसे गंभीर मामलों का उपचार करने में सक्षम हैं। शिशु को अत्यंत कमजोर हृदय क्षमता के साथ भर्ती किया गया था। उसका लेफ्ट वेंट्रिकुलर इजेक्शन फ्रैक्शन केवल 20 प्रतिशत था और गंभीर माइट्रल रिगर्जिटेशन की स्थिति ने ऑपरेशन और उसके बाद की चुनौतियों को और अधिक बढ़ा दिया था।यह जटिल शल्य चिकित्सा कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी टीम द्वारा सफलतापूर्वक की गई। सर्जरी के दौरान तथा बाद की जटिल एनेस्थीसिया और क्रिटिकल केयर प्रबंधन की जिम्मेदारी डॉ. सुब्रत सिंघा और उनकी टीम ने संभाली। ऑपरेशन के बाद शुरुआती 24 घंटे बेहद महत्वपूर्ण रहे।

भगवान विष्णु की प्रथम पत्थर प्रतिमा की खोज पर आधारित विशेष फिल्म का हुआ प्रथम प्रदर्शन

विष्णु – एक तलाश, एक यात्रा

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर को नई पहचान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में डॉक्यूमेंट्री फिल्म ÷ष्ठद्बह्यष्4 1द्दह्व4 श्द्ध ड्ड्बह्यद्धठ्ठह्व ड्ड विष्णु : एक तलाश, एक यात्रा÷ का प्रथम सार्वजनिक प्रदर्शन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ

यह फिल्म पुरातात्विक समुदाय में अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाने वाली उस ऐतिहासिक खोज पर आधारित है, जिसमें भगवान विष्णु की पहली पत्थर की प्रतिमा बिलासपुर जिले के मल्हार स्थित एक बंद ऑन-साइट संग्रहालय में सुरक्षित होने का उल्लेख किया गया है। फिल्म ने यह प्रश्न प्रमुखता से उठाया है कि इतनी महत्वपूर्ण धरोहर होने के बावजूद यह प्रतिमा आज भी व्यापक पहचान और

सम्मान से वंचित क्यों रही ?

फिल्म के माध्यम से उपस्थित दर्शकों ने इतिहास, संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत की एक विशेष यात्रा का अनुभव किया। इस अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिक, इतिहास एवं पुरातत्व प्रेमी, कला एवं संस्कृति से जुड़े लोग तथा विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। इसके पश्चात परियोजना परिचय, फिल्म के विषय में जानकारी तथा फिल्म प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों का संबोधन एवं धन्यवाद ज्ञापन भी आयोजित किया गया।

फिल्म के निर्माता एवं प्रस्तोता डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि यह प्रयास केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का एक माध्यम है। उन्होंने बताया कि इस खोज को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का उद्देश्य इस प्रस्तुति के पीछे प्रमुख प्रेरणा रही।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों ने फिल्म की विषयवस्तु, प्रस्तुति एवं सांस्कृतिक महत्व की सराहना की तथा इसे छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक धरोहर के रूप में नई पहचान दिलाने वाला एक महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

संत सुरक्षा एवं न्याय के समर्थन में देशव्यापी मौन आंदोलन कल

विदिशा (विश्व परिवार)। संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज एवं आचार्य श्री समय सागर महाराज के आशीर्वाद से निर्यापक मुनि श्री अभयसागर महाराज संघस्थ मुनि श्री उद्यमसागर महाराज, मुनि श्री गरिष्ठ सागर महाराज एवं मुनि श्री हीरक सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में तथा विधानाचार्य संजीव भैया कटंगी के निर्देशन में विश्वशांति हेतु अष्ट दिवसीय श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन 26 मई मंगलवार से 2 जून मंगलवार तक श्री शांतिनाथ जिनालय स्टेशन जैन मंदिर में किया जा रहा है। आयोजन श्री सकल दिगम्बर जैन समाज समिति एवं श्री शीतलविहार न्यास की नवीन समिति द्वारा संपन्न कराया जाएगा।

राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया कि प्रतिदिन कार्यक्रम प्रात: 5:45 बजे मंगलाष्टक के साथ प्रारंभ होंगे। विधान के मध्य प्रात: 8:30 से 9:30 बजे तक मंगल प्रवचन होंगे तथा सांयकाल 7:30 बजे मंगल आरती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

रविवार को आयोजित प्रात:कालीन धर्मसभा में सम्प्रज्ञ पाठशाला सहित विभिन्न पाठशालाओं के बच्चे, शिक्षिकाएँ एवं महिला मंडल की सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित

AVINASH JAIN

रहीं। इस अवसर पर मुनि श्री उद्यमसागर महाराज ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ पुण्य का अर्जन भी आवश्यक है। यदि जीवन में पुण्य का संयोग होता है तो कम परिश्रम में भी श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त होते हैं।

मुनिश्री ने कहा कि खुद को ऊँचा उठाने के लिए दूसरों को नीचा दिखाने का प्रयास कभी नहीं करना चाहिए। यह मनुष्य की क्षुद्र मनोवृत्ति का द्योतक है। उन्होंने कहा कि इसके पीछे मुख्यत: अहंमन्यता और असहिष्णुता जैसे कारण होते हैं। अहंकारी व्यक्ति स्वयं को ही सर्वश्रेष्ठ मानता है और दूसरों के गुणों एवं उपलब्धियों को स्वीकार नहीं कर पाता। ऐसे लोग अपनी उन्नति से अधिक दूसरों को गिराने में ऊर्जा व्यय करते हैं।उन्होंने कहा कि जब मनुष्य के भीतर सब कुछ मैं ही हूँ का भाव प्रबल हो जाता है, तब अहंकार के साथ ईर्ष्या और द्वेष जन्म लेते हैं। दूसरों की प्रगति, सम्मान और सफलता को सहन न कर पाने वाला व्यक्ति भीतर ही भीतर कुंठा और विरोध की भावना को बढ़ाता है, जिससे समाज में कटुता और संघर्ष उत्पन्न होते हैं।मुनिश्री ने कहा कि यदि व्यक्ति अपने जीवन में विनम्रता और प्रेम को स्थान दे तो अहंकार और ईर्ष्या जैसी दुर्भावनाएँ स्वत: शांत होने लगती हैं। प्रेम, सहिष्णुता और आत्मचिंतन मनुष्य को व्यापक दृष्टि प्रदान करते हैं। जो व्यक्ति दूसरों की सफलता में प्रसन्न होना सीख लेता है, वही वास्तविक अर्थों में महान बनता है।उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान में सहभागिता कर भगवान की भक्ति एवं पुण्य अर्जन का लाभ लेने का आह्वान करते हुए कहा कि भगवान के चरणों में कभी चतुराई मत दिखाना, वहाँ श्रद्धा से उत्तम से उत्तम द्रव्य चढ़ाना चाहिए। प्रभु को द्रव्य नहीं, भाव प्रिय हैं। शुद्ध भाव से किया गया अर्पण आत्मा को पुण्य और पवित्रता प्रदान करता है।प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया कि रीवा, मध्यप्रदेश में आर्यिकाओं के साथ हुई निर्मम घटना से संपूर्ण जैन समाज में आक्रोश व्याप्त है। रविवार रात्रि 7 बजे महिला शक्ति द्वारा केंडल मार्च निकालकर विरोध प्रदर्शन किया गया। हम अबला नहीं, भारत की वीरांगना हैं, संतों पर आँच आएगी तो हम मैदान में हैं जैसे संदेशों के साथ महिलाओं ने मौन प्रदर्शन किया। यह केंडल मार्च माधवगंज जैन मंदिर से प्रारंभ होकर गांधी प्रतिमा नीमताल पर संपन्न हुआ।प्रवक्ता ने बताया कि 25 मई सोमवार को प्रात: 8 बजे संत सुरक्षा एवं न्याय के समर्थन में देशव्यापी मौन आंदोलन के अंतर्गत रीवा घटना के विरोध में मौन प्रदर्शन माधवगंज कांच मंदिर के सामने से प्रारंभ होगा। इस आंदोलन को विदिशा नगर के सर्वधर्म समाज, विदिशा व्यापार महासंघ, विभिन्न राजनीतिक दलों एवं समाजसेवी संगठनों का समर्थन प्राप्त है।

हेल्थ के साथ पाएं वेल्थ

आज आयुर्वेद का जमाना है और लोग अंग्रेजी दवाइयां खाकर ऊब चुके हैं, यही नहीं इन दवाओं के साइड इफेक्ट से लोग हमेशा डरते रहते है। यदि कोई गंभीर बीमारी है तो चेकअप वगैरह कराने में ही दम फूल जाता है।

आम आदमी तो किसी सरकारी हॉस्पिटल की राह देख लेता है, पर अमीर की बात ही कुछ और है, क्यों कि वह हेल्थ इंश्योरेंस के सहारे निजी अस्पतालों में इलाज करा लेता है और उस पर असर नहीं के बराबर पड़ता है।

आज भागमभाग की जिन्दगी में लोग अपने पुराने आचार-विचार को भूल कर प्रदूषण की दुनिया में जीवन यापन कर रहे हैं। ऐसा कोई घर नहीं है, जहां कोई बीमार ना हो , लेकिन ना तो उनके पास व्यायाम का समय है ना खाने न पीने का। ऐसे में बीमारियों का लगना कौन रोक सकता है।

लोगों में प्रतिरोधक-शक्ति का विकास हो और आदमी में बीमारी से लड़ने की शक्ति जागृत हो तो छोटी-मोटी बीमारियां आदमी के ऊपर अटैक नहीं कर पाएंगी।

हर रोज नए आयुर्वेदिक नुस्खे बताए जा रहे हैं और उनको मार्केट में डाला जा रहा है।

डाबर के उत्पाद बाजार में छाए है बैद्यनाथ, झंडू और भी जाने कितने ही आयुर्वेद की कम्पनी जैसे रामदेव, आसाराम, सुदर्शन महाराज, महर्षि आयुर्वेद काम कर रही हैं।

फायदेमंद नुस्खा

शुगर के मरीजों को अक्सर काफी परेशानियों का सामना करना होता है। जरा से कोई बताए कि फलां औषधि फायदेमंद है, वे या उनके परिजन तुरंत ट्राई करने में लग जाते हैं। लेकिन रिस्क भी काफी रहती है।

आइए जानते हैं एक नुस्खे के बारे में जो शुगर के मरीजों के लिए फायदेमंद है।

पनीर डोडा नाम की जड़ी-बूटी आपको अत्तार के दुकान पर आसानी से मिल जाएगी। आधे गिलास पानी में इसके 8-10 फल रात को पानी में भिगो दीजिये। सुबह होते ही इनको मसल के छान लें, अब जो पानी बचा है, उसको सुबह निन्हें मुंह यानी खाली पेट पी लें, एक हफ्ते में आपको लगने लगेगा कि आपका शुगर लेवल काम हो रहा है। यदि आप चाहे तो दो टाइम भी ले सकते हैं, साथ ही सुबह और शाम टहलना जारी रखें।

खाना ना पचने वालों के लिए भी एक उपाय है। की वह भोजन के दौरान पानी कम पीएं और खाना खाने के बाद दो घंटे बाद कम से कम एक लीटर पानी पीने की आदत डालें।

यदि आप चाहते हैं कि आपको पथरी की शिकायत ना हो तो आपको चाहिए की खाना खाने के बाद निश्चित रूप से मूत्र विसर्जन करने की आदत डालें।

एलोविरा

आयुर्वेद की दवाइयां काफी प्रचलित हो रही हैं।

आपने एलोविरा का नाम तो सुना ही होगा। यदि एलोविरा का बना कोई भी उत्पाद लें तो उसके लाभकारी परिणाम सामने आएंगे?

हर तरह से है लाभकारी

यदि आप एलोवेरा का प्रयोग शुरू करते हैं तो लाभ निश्चित है। कोई भी इसके फायदे को नकार नहीं सकता है।

एलोविरा जेल के उपयोग से बहुत- सी असाध्य बीमारियां ठीक होती हैं।

आयुर्वेद में कहां से आया वेल्थ

बाजार में बहुत सी आयुर्वेदिक कम्पनी सक्रिय हैं, जिनके उत्पाद सिर्फ अपने सदस्यों को ही देती हैं। साथ ही उस पर इंसेंटिव भी देती है। इनको नेटवर्क से जोड़कर वे लोगों की औसत आमदनी का जरिया बना रही हैं। यदि कोई इनसे जुड़ना चाहता है तो जुड़ भी सकता है। इसका लाभ यह होता है कि इससे किसी लाइलाज बीमारी का इलाज संभव हो जाता है साथ ही दुआएं भी मिलती हैं।

एक साइट है फॉरएवरलिविंग.कॉम इस पर जाकर इनके प्रॉडक्ट को देखा जा सकता है और किसी के माध्यम से जुड़ सकते हैं।

यह संस्था दावा करती है कि गठिया, दमा, हृदय रोग, पाचन समस्या, किडनी समस्या, मोटापा एवं त्वचा संबंधी रोग का निदान संभव है।

नियमित खान-पान और निश्चित व्यायाम आपके शरीर को निरोगी बना सकता है, पर समय देना आपके ऊपर है। ऐसे में आपको निर्णय लेना है कि आप धन देकर सेहतमंद रहना चाहते हैं या नियमित दिनचर्या से।

शरीर आपका है और आप ही इसकी रखवाले हैं तो निरोगी काया रहेगी तो माया तो कमा ही सकते हैं।

खुशियों का खजाना आपके ही पास है

मालीक्युलर बॉयोलॉजिस्ट से बौद्ध भिक्षु बने मैथ्यू रिकार्ड ने शताब्दियों पुराने बौद्ध दर्शन के बौद्धिक संदेशों को आधुनिक वैज्ञानिक शोधों के निष्कर्षों के साथ जोड़ने का सार्थक प्रयास किया है। उनकी सोच के अनुसार खुश रहना मात्र एक सुखद अहसास, एक सुंदर भाव या एक अच्छे मूड से ही संबंधित नहीं है, बल्कि ये आपका बुनियादी सुखद अस्तित्व है। यहसंसार की व्याख्या करने का एक तरीका है। संसार को बदलना मुश्किल होगा, पर संसार को देखने के नजरिए को बदलना तो संभव है।

आइए इस बात को थोड़ा और आसान ढंग से समझते हैं। याद कीजिए कि पिछली बार कब आपने अपने शरीर और आत्मचेतना को तनावमुक्त और गैर बोझिल महसूस किया था। उस मनोदशा की विशिष्ट ऊर्जा ने आपको अपने काम में अच्छा प्रदर्शन करने, लोगों के साथ गहराई से जुड़ने, काम में खुलकर रचनात्मकता की अभिव्यक्ति करने, रेंगते हुए ट्रैफिक में मुस्कराने, जाम के खुलने का मुस्कराते हुए इंतजार करने और घर लौटकर परिवार के साथ प्यार के पलों को बांटने के लिए प्रेरित किया होगा। कल्पना कीजिए इसी खुशी की फसल अगर आप हर दिन काट सकें, तो कितना अच्छा हो? अगर आप अपना ध्यान पूरी तरह से केन्द्रित करें, तो सच्ची प्रसन्नता को हासिल करना कोई मुश्किल काम नहीं है।

निश्चित तरीका नहीं

यह सच है कि खुशी पाने का कोई एक निश्चित तरीका या फार्मूला नहीं है। इसलिए वही तरीका या ढंग अपनाएं, जो आपके लिए उपयुक्त हो। इस संदर्भ में आपको अपने ही अंदर खुशी का खजाना खोजने का दृढ़ संकल्प लेना होगा। आपको कुछ ऐसी आदतों को अपनाना होगा, जिनका पालन शताब्दियों से प्रबुद्ध लोग करते आए हैं। इन प्रबुद्धजनों की बातों को न्यूरो- साइंटिफिक रिसर्च में भी सही पाया गया है।

ध्यान लगाएं

खुश और शांत रहने के लिए मेडिटेशन से अधिक कोई भी अन्य तरीका काम नहीं करेगा। आंखें बंदकर अपना पूरा ध्यान सांस पर केन्द्रित करें। कल्पना कीजिए कि आप अपने शरीर-रूपी मंदिर में प्रवेश कर रहे हैं। शांति की भावना को महसूस करें। प्रारंभ में इस विधि को पांच मिनट तक करें और अभ्यास होने के साथ ही समय बढ़ाती जाएं। मेडिटेशन के लिए ऐसी जगह चुनें, जहां कोई आपको बाधा न पहुंचाए।

माफ करें और भूलना सीखें

सकारात्मक सोच और दूसरों को माफ करने के जज्बे पर भरोसा रखें। क्रोध, ईर्ष्या और जलन जैसे नकारात्मक विचारों से स्वयं को मुक्त रखें, क्योंकि ऐसे विचार हमारे सुख व शांति के अहसास को छीन लेते हैं। दूसरे को माफ करना खुशियां पाने का सशक्त माध्यम है।

न दें अनुचित सुविधाएं

अक्सर लाड़-प्यार के चलते, कई माता-पिता अपने कम उम्र के बच्चों का ड्राइविंग लाइसेंस बनवा देते हैं और कई बार अपनी गन-रिवॉल्वर उनकी पहुंच के अन्दर रखते हैं। इस असावधानी के कारण आए दिन अनेक दुर्घटनाएं घटती हैं और हादसे के शिकार व्यक्तियों का स्वास्थ्य खतरे में पड़ जाता है।

जब हम स्वयं के साथ शान्ति अनुभव नहीं करते तो हम मानसिक एवम् भावात्मक व्याधियों से ग्रस्त हो जाते है। आक्रामक एवं हिंसात्मक विचार हमारी सोच को नकारात्मक बना देते हैं तथा हमारा हृदय क्रोध, द्वेष और ईर्ष्या से भर उठता है।

टेलीविजन तथा अन्य संस्थाओं द्वारा बच्चों - वयस्कों के लिए आयोजित रियलिटी शो एवम् अनेक प्रकार की प्रतिस्पर्धाएं अधिकांश प्रतियोगियों की मानसिकता को गलत तरीके से प्रभावित करती हैं।

हम और हमारा स्वास्थ्य

आज वक्त की मांग है कि हम अपने आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखते हुए स्वयं को स्वस्थ रखें।

स्वस्थ शरीर, स्वस्थ विचार एवं स्वस्थ बुद्धि का मूर्त रूप ही आरोग्य है। दरअसल, आरोग्य वह अवस्था है, जिसमें हम प्रकृति एवं वातावरण से सामंजस्य स्थापित करते हुए जीवन का आनंद लेते हैं।

हम वास्तविक रूप से तभी स्वस्थ होते हैं ,जब हम स्वयं को मानसिक, भौतिक, भावात्मक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक स्तर पर स्वस्थ अनुभव करते हैं।

जीवनशैली बदलाव कर इलाज का खर्चा बचाएं

अपनी वर्तमान जीवनशैली में उचित बदलाव लाकर हम अपनी दवाइयों का खर्चा कम कर सकते हैं। केवल उचित खान-पान ही नहीं, वरन उचित विचार एवं उचित आचरण द्वारा ही हम निरोग हो सकते हैं।

माता-पिता और अभिभावकों को बच्चों को सही आहार और साफ-सफाई से रहने के साथ-साथ एक अच्छा इंसान बनने की भी शिक्षा देनी चाहिए।

वसायुक्त एवं रेशाहीन आहार तथा शारीरिक श्रम का अभाव डायबिटीस, उच्च रक्तचाप एवं हृदय रोग जैसी बीमारियों के प्रमुख कारण हैं। आज के दौर के पढ़े लिखे माता-पिता भी अपने नन्हे -मुन्नों को पिज्जा और बर्गर खिलाने तथा कोकाकोला आफर करने से गुरेज नहीं करते हैं। इस प्रकार उनका स्वाद फास्ट फूड के लिए विकसित होकर, घर के पौष्टिक खाने को नकारने लगता है।

अब तो गावों में भी कोकाकोला, चिप्स और ब्रेड का खूब प्रचलन हो गया है। आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम जान बूझ कर रोगों के जाल में फंसते चले जा रहे हैं।

स्वस्थ मां की स्वस्थ संतान

किसी भी देश का स्वास्थ्य उसके बच्चों के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है और केवल स्वस्थ मां ही एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकती है, परन्तु यह हमारा दुर्भाग्य है कि अधिकांश भारतीय परिवारों में महिलाओं के स्वास्थ्य को वरीयता नहीं दी जाती है।

पत्नी एवं माता की परम्परागत भूमिका में स्त्री का कर्तव्य परिवार के अन्य सदस्यों की देखभाल करना है, न कि स्वयं अपना भारतीय समाज आज के युग में भी लिंग के आधार पर भूमिकाएं निर्धारित करने में विश्वास रखता है। लड़कों को अविचारी और उग्रवादी बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है तथा लड़कियों को शर्मीला और सहनशील बनाने का प्रयास होता है। आगे चल कर यही असमानता अपने रंग दिखाना शुरू कर देती है। महिलाओं को जीवन पर्यंत भिन्न प्रकार के तिरस्कारों का सामना करना पड़ता है। फिर चाहे वो लिंग आधारित भ्रूण हत्या हो या दहेज न लाने के नाम पर जलाया जाना हो अथवा बलात्कार का शिकार होना हो। जो देश महिलाओं का सम्मान करना नहीं जानता, वह वास्तव में एक रोगी देश है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) मानव स्वास्थ्य पर शहरीकरण के प्रभावों को विशिष्ट रूप से दर्शाते हुए शहरों को एक बेहतर रहने लायक जगह बनाने पर जोर देता है।

बनें जिम्मेदार नागरिक

जिम्मेदार नागरिकों की हैसियत से हमें अपने रहने के स्थानों में उपवन संस्कृति को फिर से वापस लाना होगा, ताकि खुली हवा में सांस लेते हुए, हम शारीरिक व्यायाम के लाभ उठा सकें। स्कूल, कॉलेजों में खेलकूद और योगाभ्यास को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। मोटर बाइक और कार के स्थान पर युवक -युवतियों में साइकिल चलाना एक आधुनिक फैशन के रूप में विकसित करना होगा।

स्वास्थ्य का रखें ख्याल

रुपयों की इस अंधी दौड़ में भाग कर हम अपने मानसिक एवम् शारीरिक स्वास्थ्य का सत्यानाश कर रहे हैं। अपनी प्रतिभा का विकास करना अच्छी बात है, परन्तु केवल पैसे कमाने के उद्देश्य से नहीं, हम केवल निर्मल आनंद के लिए अपनी नृत्य, गायन, खेलकूद की रुचियों को विकसित क्यों नहीं करते? आधुनिक युग की चूहा दौड़ हमें एक स्वस्थ इंसान से एक बीमार पशु बना रही है।

हाल ही में सिंगापुर में हुए एक स्वास्थ्य सेवा सम्मलेन में विशेषज्ञों ने माना कि एशिया की स्वास्थ्य सेवाएं आधुनिक जीवनशैली की व्याधियों के बोझ तले दबी जा रही हैं। स्वाइन-बर्ड फ्लू और तपेदिक जैसे संक्रामक रोगों के साथ -साथ आर्थिक सम्पन्नता से जुड़ी हुई असंक्रामक

बीमारियों का भार दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। तम्बाकू एवम् धूम्रपान का व्यसन भी भारत समेत अन्य देशों में लाखों लोगों की सेहत पर सवालिया निशान लगा रहा है।

सिगरेट एवं गुटखा निर्माताओं की आक्रामक विज्ञापन तकनीक के आगे, सारे तम्बाकू विरोधी अभियान असफल सिद्ध होते प्रतीत हो रहे हैं। ये कम्पनियां मर्दानगी, आधुनिकता और तनाव-मुक्ति के नाम पर जनता को विष बेच रही हैं और इनके विरुद्ध कोई भी कार्यवाही नहीं की जा रही है। तम्बाकू सेवन का सीधा सम्बन्ध श्वास एवं फेफड़े की बीमारियों से है। जैसे कि अस्थमा, तपेदिक आदि। क्या ही अच्छा होता यदि हम तम्बाकूयुक्त पानमसाला चबाने के स्थान पर लौंग, इलाइची या सौंफ जैसी गुणकारी वस्तुओं का सेवन करने की बुद्धि रखते।

टीकाकरण और स्वच्छता को बढ़ावा

समाज में ऐसे सुधार लाने की आवश्यकता है, जिनके द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं न केवल टीकाकरण और स्वच्छता को बढ़ावा दें, वरन जन मानस को संतुलित आहार, स्वस्थ जीवन शैली और नैतिक मूल्यों की भी शिक्षा भी प्रदान करें। यदि हमारे मन में शान्ति, प्रेम, अहिंसा के भाव होंगे तथा हम अमीरी के भड़कीले दिखावे से दूर रहेंगे, तो वास्तव में हमारा जीवन रोगमुक्त हो सकेगा। स्वस्थ रहने के लिए प्रसन्न रहना आवश्यक है और प्रसन्नता तभी मिलेगी, जब हम द्वेष के स्थान पर आनंद बांटे, तभी गांव-गांव और शहर- शहर में एक स्वस्थ और खुशहाल वातावरण बन पाएगा।

कब से शुरू हो रहा है नौतपा? इस दौरान क्या करें क्या नहीं

नौतपा के नौ दिन जहां वैज्ञानिक रूप से सूर्य की किरणें सबसे ज्यादा तीखी होती हैं जिसके कारण सबसे ज्यादा गर्मी पड़ती है तो वहीं, दूसरी ओर ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि सूर्य को प्रसन्न करने के लिए ये नौ दिन सर्वाधिक शुभ हैं।

नौतापा का हिन्दू धर्म में बहुत महत्व माना गया है। नौतपा वो नौ दिन होते हैं जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं और उनकी ऊर्जा एवं उनका तेज चरम पर होता है। नौतपा के नौ दिन जहां वैज्ञानिक रूप से सूर्य की किरणें सबसे ज्यादा तीखी होती हैं जिसके कारण सबसे ज्यादा गर्मी पड़ती है तो वहीं, दूसरी ओर ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि सूर्य को प्रसन्न करने, सूर्य के तेज को अपने व्यक्तित्व में उतारने एवं भाग्योदय के लिए ये नौ दिन सर्वाधिक शुभ हैं। ऐसे में आइये जानते हैं ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से कि इस साल कब से शुरू हो रहा है नौतपा और इन नौ दिनों में क्या करना चाहिए क्या नहीं।

नौतपा कब से शुरू है?

सूर्य देव इस वर्ष 25 मई के दिन पर रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे, जिसके साथ ही नौतपा शुरू हो जाएगा और यह अगले नौ दिनों तक रहेगा। वहीं, सूर्य देव 8 जून, रविवार के दिन को दोपहर 1 बजकर 4 मिनट तक रोहिणी नक्षत्र में विराजमान रहेंगे। इसके बाद, 8 जून को वे मृगशिरा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे और फिर 15 जून को मिथुन राशि में गोचर करेंगे।

नौतपा में क्या करें?

नौतपा के नौ दिनों के दौरान सूर्य देव को रोजाना लाल चंदन और गेंदे का एक फूल जल में डालकर अर्घ्य दें। इसके अलावा, इन नौ दिनों में रोजाना आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें। नौतपा के दौरान जल, वस्त्र, भोजन आदि का दान अवश्य करें। हवा का दान कूलर या फिर ऐसी के रूप में भी कर सकते हैं। नौतपा के नौ दिन धार्मिक कार्यों में लीन रहना चाहिए। इससे शुभता घर में बनी रहती है।

नौतपा में क्या न करें?

नौतपा के नौ दिन भूल से भी बुरे विचारों एवं बुरे कार्यों में नहीं पड़ना चाहिए नहीं तो इससे सूर्य कुंडली में कमजोर होते हैं। सूर्य से जुड़ी वस्तुओं जैसे कि लाल रंग के वस्त्र, गेहूं, गुड़, सोना, माणिक्य, घी, केसर, तांबा आदि का दुष्प्रयोग न करें, नहीं तो इससे भयंकर सूर्य दोष लग सकता है। नौतपा के नौ दिनों तक ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए और बिस्तर के बजाय जमीन पर सोना चाहिए।

कब है गंगा दशहरा शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

हिन्दू पंचांग के अनुसार, प्रति वर्ष ज्येष्ठ माह की शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को गंगा दशहरा पर्व मनाया जाता है। इस बार यह तिथि 25 मई, सोमवार को मनाई जा रही है। आइए जानते हैं गंगा दशहरा क्यों खास हैं, जानिए इस पर्व का महत्व।

ज्येष्ठ माह में आने वाले सभी त्योहारों का विशेष महत्व है। इस माह में वट सावित्री व्रत, शनि जयंती, अपरा एकादशी जैसे बड़े पर्व आते हैं। इन्हीं में से एक है गंगा दशहरा! ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि के दिन गंगा दशहरा मनाया जाता है। हिंदू धर्म में इस तिथि को बेहद ही शुभ माना जाता है। इस दिन गंगा नदी की विधि-विधान से पूजा अर्चना की जाती है। साथ ही दान जैसे पूण्य कार्य करते हुए गंगा में स्नान किया जाता है।
धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गंगा में डुबकी लगाने से व्यक्ति के सभी पाप धुल जाते हैं। यही नहीं उसे सुख-समृद्धि का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। शास्त्रों में गंगा माता को मोक्षदायिनी भी कहा गया है। ये भी माना जाता है कि गंगा नदी शिव जी की जटाओं से निकलती हैं, इसलिए इस दिन शिव जी की भी पूजा करनी चाहिए। इससे विशेष लाभ की प्राप्ति होती है।

गंगा दशहरा की पूजा विधि

- गंगा दशहरा पर ब्रह्म मुहूर्त में गंगा स्नान करें।
- इसके बाद साफ वस्त्रों का धारण करके सूर्यदेव को अर्घ्य दें।
- इस शुभ दिन पर गंगा मां के साथ-साथ शिव जी की पूजा करने का भी विधान है।
- इस दौरान गंगा स्त्रोत का पाठ करने से व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति होती है।
- पूजा के बाद आप जरूरतमंद लोगों को दान कर सकते हैं।

गंगा स्नान से ये पाप होते हैं नष्ट

गंगा स्नान करने से सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है। माना जाता है कि इस दिन गंगा स्नान करने से 10 पाप नष्ट हो जाते हैं। इनमें निषिद्ध हिंसा, परस्त्री गमन, बिना दी हुई वस्तु को लेना, कठोर वाणी, दूसरे के धन को लेने का विचार, दूसरों का बुरा करना, व्यर्थ की बातों में दुराग्रह, झूठ बोलना, चुगली करना, दूसरों का अहित करना शामिल है।

गंगा दशहरा का महत्व

धार्मिक मान्यता के अनुसार, गंगा मां की आराधना करने से व्यक्ति को दस प्रकार के पापों से मुक्ति मिलती है। गंगा ध्यान एवं स्नान से प्राणी काम, क्रोध, लोभ, मोह, मत्सर, ईर्ष्या, ब्रह्महत्या, छल, कपट, परनिंदा जैसे पापों से मुक्त हो जाता है। गंगा दशहरा के दिन भक्तों को मां गंगा की पूजा-अर्चना के साथ दान-पुण्य भी करना चाहिए। गंगा दशहरा के दिन सत्तू, मटका और हाथ का पंखा दान करने से दोगुना फल की प्राप्ति होती है।

- गंगा दशहरा पर्व सनातन संस्कृति का एक पवित्र त्योहार है।
- धार्मिक मान्यता के अनुसार कहा जाता है कि इस दिन मां गंगा का धरती पर अवतरण हुआ था।
- गंगा दशहरा के दिन पवित्र नदी गंगा में स्नान करने से मनुष्य अपने पापों से मुक्त हो जाता है।
- गंगा, नदी स्नान के साथ-साथ इस दिन दान-पुण्य करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस दिन सत्तू, मटका और हाथ का पंखा दान करने की मान्यता है।
- मंत्र- नमो भगवते दशपापहराये गंगाये नारायण्ये रेवत्ये शिवाये दक्षाये अमृताये विश्वरुपिण्ये नंदिन्ये ते नमो नमः
- गंगा दशहरा के दिन अपने पितृ को याद करके उन्हें जल अर्पण करना चाहिए।
- शास्त्रों के अनुसार गंगा दशहरा के दिन गंगा स्नान के बाद सूर्यदेवता को जल अर्घ्य देना चाहिए, तत्पश्चात दान अवश्य करना चाहिए।
- देवी भागवत के अनुसार शतशः योजन दूर बैठा मनुष्य भी यदि गंगा के नाम का उच्चारण करता है, तो वह पापों से मुक्त होकर भगवान श्रीहरि के धाम को प्राप्त करता है।
- गंगा भगवान विष्णु का स्वरूप है। इसका प्रादुर्भाव भगवान के श्रीचरणों से ही हुआ है। तभी तो गंगा (मां) के दर्शनों से आत्मा प्रफुल्लित तथा विकासोन्मुखी होती है।
- यदि कोई भी श्रद्धालु स्नान से पहले गंगा का आवाहन करता है और नदी में डुबकी लगाने से पहले उसी में गंगा की उपस्थिति की अनुभूति करता है।

गंगा दशहरा पर दान

गंगा दशहरा के दिन दान का विशेष महत्व बताया गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस पावन अवसर पर जल, अन्न, फल, वस्त्र और पूजा सामग्री का दान करना अत्यंत शुभ माना जाता है। इसके साथ ही घी, नमक, तेल, शक्कर और स्वर्ण जैसी वस्तुओं का दान करने की भी परंपरा है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन श्रद्धा और क्षमता के अनुसार किया गया दान पुण्य फल को बढ़ाता है और जीवन में सुख-समृद्धि लाता है।

दशविध स्नान क्या है? गंगा दशहरे के दिन घर पर कैसे कर सकते हैं 10 तरह के स्नान

प्रतिवर्ष ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को 'गंगा दशहरा' का पर्व मनाया जाता है। शास्त्रानुसार इस दिन मां गंगा का स्वर्ग से धरती पर आगमन हुआ था।

गंगा-दशहरे के दिन जो व्यक्ति मां गंगा की आराधना करता है, उनकी धूप, दीप, नैवेद्य आदि से षोडशोपचार पूजन कर उपवास करता है, वह कायिक-वाचिक-मानसिक त्रिविध पापों से मुक्त हो जाता है। 'गंगा-दशहरे' के दिन 'दशविध-स्नान' का बहुत महत्व होता है। इस दिन 'दशविध-स्नान' करने वाले साधक को अश्वमेध यज्ञ का फल प्राप्त होता है। दशविध-स्नान से आशय शास्त्र द्वारा वर्णित दस प्रकार के स्नान से है। गंगा दशहरे के दिन करें यह दशविध स्नान-
1.गोमूत्र से स्नान 2.गोमय से स्नान
3.गौदुग्ध से स्नान 4.गौदधि से स्नान
5.गौघृत से स्नान 6.कुशोदक से स्नान
7.भस्म से स्नान 8.मृत्तिका (मिट्टी) से स्नान
9.मधु (शहद) से स्नान 10.पवित्र जल से स्नान
उपर्युक्त वर्णित वस्तुओं से अपनी सामर्थ्य के अनुसार लेपन व तिलक कर स्नान करने से 'दशविध-स्नान' की पूर्णता होती है।

विष्णु जी की कृपा पाने के लिए अधिक मास के महीने में जरूर दान करें ये 3 खास चीजें

अधिक मास में कई सारे कार्य ऐसे होते हैं, जिन्हें करने की मनाही होती है। ऐसे में आप दान जैसे शुभ कार्यों को कर सकती हैं। इससे आपके ऊपर भगवान विष्णु की कृपा बनी रहेगी। साथ ही आपके कार्य भी पूरे होंगे।

अधिक मास का महीना हिंदू धर्म में खास होता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर इसमें पूजा-पाठ से जुड़े कार्य किए जाते हैं, तो इससे भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और आशीर्वाद देते हैं। ऐसे में आप भी दान जैसे शुभ कार्य को कर सकती हैं और भगवान को प्रसन्न कर सकती हैं। इस महीने में 3 ऐसी चीजें हैं, जिसका दान करना सबसे ज्यादा शुभ माना जाता है।

पीले रंग के वस्त्र

भगवान विष्णु को पीला रंग बेहद प्रिय होता है, और यह रंग देवगुरु बृहस्पति का भी प्रतीक है। अधिक मास में पीले रंग की वस्तुओं का दान करने से कुंडली में गुरु ग्रह मजबूत होता है, जिससे विवाह, करियर और शिक्षा में आ रही बाधाएं दूर होती हैं। आप इसे जरूर दान करें। इसके लिए आप किसी पुजारी को यह सामान दे सकती हैं या जरूरतमंद को पीले वस्त्र दे सकती हैं, ताकि इससे आपके जीवन में भगवान का आशीर्वाद बना रहे। इससे आपके मान सम्मान में भी वृद्धि होगी।

मौसमी फल का करें दान

गर्मी के मौसम में अधिक मास का महीना आता है। ऐसे में आप मौसमी फल का दान भी कर सकती हैं। इसके लिए आप केला, खरबूजा, आम या तरबूज को दान करें। इससे आपके जीवन में खुशहाली बनी रहेगी। साथ ही आपके सभी कार्य अच्छे से पूरे होंगे। इन फलों को आप किसी जरूरतमंद व्यक्ति को दान करें, ताकि वो इसका सेवन कर सकें।

अधिक मास में करें अनाज का दान

अगर आपके जीवन में रुकावटें आ रही हैं, तो इस महीने में आप अनाज का दान जरूर करें। ऐसा इसलिए क्योंकि अनाज के दान से आपके जीवन की सभी परेशानियां कम होंगी। साथ ही आपके रुके हुए कार्य अच्छे से पूरे हो जाएंगे। अनाज में आप चावल, दाल या गेंहू का दान कर सकती हैं। अधिक मास भगवान विष्णु की साधना का एक अनमोल अवसर है। इस महीने में किए गए ये तीन विशेष दान न केवल आपको मानसिक और आर्थिक कष्टों से मुक्ति दिलाएंगे, बल्कि आपके घर को धन-धान्य से भर देंगे। इस पवित्र महीने का लाभ उठाएं और श्रद्धापूर्वक दान कर भगवान पुरुषोत्तम का आशीर्वाद प्राप्त करें।

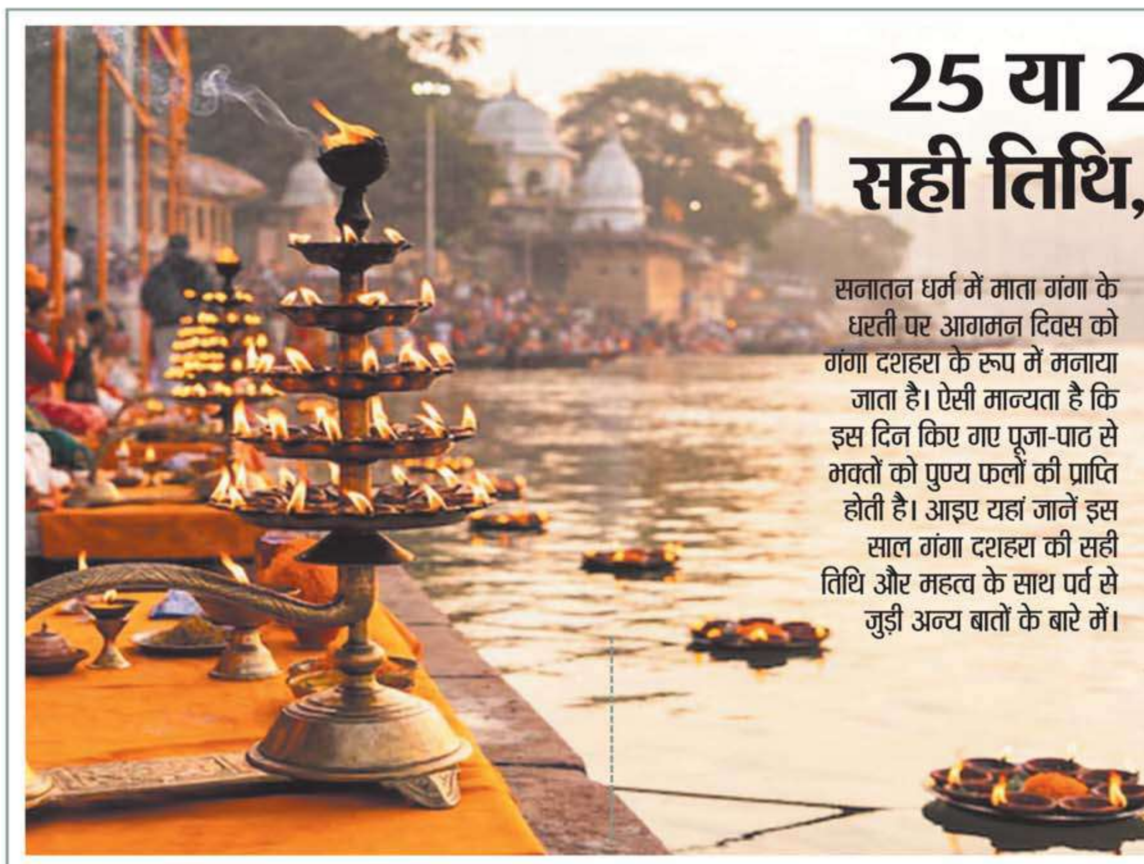

25 या 26 मई, कब है गंगा दशहरा? सही तिथि, पूजा का शुभ मुहूर्त और महत्व

सनातन धर्म में माता गंगा के धरती पर आगमन दिवस को गंगा दशहरा के रूप में मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन किए गए पूजा-पाठ से भक्तों को पुण्य फलों की प्राप्ति होती है। आइए यहां जानें इस साल गंगा दशहरा की सही तिथि और महत्व के साथ पर्व से जुड़ी अन्य बातों के बारे में।

हिंदू धर्म में किसी भी तिथि का विशेष महत्व होता है और इनमें से एक है गंगा दशहरा। सनातन धर्म में इस पर्व को अत्यंत पवित्र माना जाता है और इस दिन भक्त जन श्रद्धा भाव से गंगा नदी में स्नान करके दान-पुण्य करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इसी तिथि पर मां गंगा पृथ्वी पर आई थीं। इस कारण से इस दिन को गंगा जयंती के रूप में भी मनाया जाता है। हर साल ज्येष्ठ महीने के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को गंगा दशहरा के रूप में मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन दान-पुण्य करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है और सभी पापों से मुक्ति मिलती है। गंगा दशहरा के दिन पूजा-पाठ का भी विशेष महत्व और और इस दिन लोग नदियों में दीपदान भी करते हैं। आइए ज्योतिर्विद पंडित रमेश भोजराज द्विवेदी से जानें इस साल गंगा दशहरा कब मनाया जाएगा और इस दिन की पूजा के शुभ मुहूर्त के साथ इस पर्व का महत्व क्या है?

गंगा दशहरा 2026 कब है?

गंगा दशहरा हर साल ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है और इस साल यह तिथि 25 मई, सोमवार को पड़ रही है। इसी वजह से इस दिन ही गंगा दशहरा मनाया जाएगा और इसी दिन का पूजन शुभ होगा।

गंगा दशहरा की पूजा का शुभ मुहूर्त

दशमी तिथि आरंभ- 25 मई 2026, सोमवार, प्रातः 04:30 बजे
दशमी तिथि समाप्त- 26 मई 2026, मंगलवार शाम 05:10 बजे
उदयातिथि के अनुसार गंगा दशहरा 25 मई को ही मनाया जाएगा।
गंगा दशहरा पर ब्रह्म मुहूर्त को सबसे पवित्र माना गया है।
ब्रह्म मुहूर्त- 25 मई, 4:40 बजे से 5:23 बजे तक। इस समय स्नान, ध्यान और तप करने का विशेष महत्व बताया जाता है।
सूर्योदय-25 मई, सुबह 6:06 बजे होगा।
अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12:17 बजे से शुरू होकर 1:10 बजे तक रहेगा।
यह मुहूर्त सभी प्रकार के शुभ कार्यों के लिए अत्यंत श्रेष्ठ माना जाता है।
ऐसी मान्यता है कि गंगा दशहरा पर ब्रह्म मुहूर्त या अभिजीत मुहूर्त में पूजा करना सबसे शुभ होता है।

गंगा दशहरा का महत्व

हिंदू धर्म में गंगा दशहरा का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन मां गंगा स्वर्ग से उतरकर पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं। मान्यता है कि राजा भगीरथ ने अपने पूर्वजों की मुक्ति के लिए कठोर तपस्या की और उसके परिणामस्वरूप माता गंगा पृथ्वी पर उतरकर आई। मां गंगा के धरती पर अवतरित होने के बाद भगीरथ के पूर्वजों को मोक्ष प्राप्त हुआ। ऐसी मान्यता है कि आज भी गंगा दशहरा की पूजा विधि-विधान से करने पर व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस दिन गंगा स्नान, दान, जप और पूजा-पाठ करने का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि गंगा दशहरा पर श्रद्धा से गंगा या किसी अन्य पवित्र नदी में स्नान करने और मां गंगा की पूजा करने से दस प्रकार के पापों का नाश होता है। इसी कारण इसे गंगा दशहरा कहा जाता है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, सोमवार 25 मई 2026

वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने यूपीएससी अभ्यर्थियों को दी शुभकामनाएं

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रारंभिक परीक्षा में शामिल हो रहे अभ्यर्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। वित्त मंत्री चौधरी ने अपने संदेश में कहा कि यूपीएससी परीक्षा केवल एक प्रतियोगी परीक्षा नहीं, बल्कि समर्पण, अनुशासन और दृढ़ संकल्प की परीक्षा भी है।उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों ने इस दिन के लिए लंबे समय तक कठिन मेहनत और लगन से तैयारी की है और अब आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच के साथ परीक्षा देने का समय है।

इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में पुलिस द्वारा सघन चेकिंग एवं जनजागरूकता अभियान चलाया

मकान मालिको एवं किराएदारों को थाने में सूचना देने दी गई हिदायत

80 पुलिस कर्मियों द्वार की गई चेकिंग करवाई

रायपुर (विश्व परिवार)। डीसीपी पश्चिम जोन श्री संदीप पटेल एवं अतिरिक्त डीसीपी श्री राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में थाना दीनदयाल नगर अंतर्गत इंद्रप्रस्थ कॉलोनी के ईडब्लूएस एवं एलाईजी क्वार्टर में आज तड़के सुबह एसीपी पुरानी बस्ती के नेतृत्व में थाना प्रभारी पुरानी बस्ती, आमानका एवं डी.डी. नगर पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से क्षेत्र में सघन तलाशी एवं चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखना, असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखना एवं आमजन में सुरक्षा संबंधी जागरूकता बढ़ाना रहा।

अभियान के दौरान कुल 138 मकानों में सर्चिंग कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के दौरान 01 चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई तथा 25 संदिग्ध मोटरसाइकिलों के नंबर नोट कर सत्यापन हेतु लिया गया। साथ ही 01 बदमाश के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान क्षेत्र के किरायेदारों को किराएदार सत्यापन एवं किरायानामा संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई। पुलिस टीम द्वारा मकान मालिकों को हिदायत दी गई कि वे अपने किरायेदारों का पूर्ण विवरण एवं किरायानामा संबंधित थाना में अनिवार्य रूप से जमा करें, ताकि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था एवं संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके।

साथ ही किरायेदारों को कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं पुलिस सत्यापन प्रक्रिया में सहयोग करने हेतु समझाइश दी गई। पुलिस द्वारा आमजन से अपील की गई कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति अथवा गतिविधि की सूचना तत्काल संबंधित थाना को दें।

सम्पूर्ण कार्यवाही एसीपी पुरानी बस्ती देवांश सिंह राठौर की अगुवाई में थाना प्रभारी डी डी नगर गौतम चंद गावड़े,थाना प्रभारी पुरानी बस्ती विनय सिंह ,थाना प्रभारी आमानाका सुधांशु बघेल, थानों के स्टाफ एवं 80 पुलिस जवानों के द्वार सघन चेकिंग करवाई पूर्ण की गईद्य

सम्पूर्ण कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई एवं क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रही।

मुख्यमंत्री सहित मंत्रिमंडल के सदस्य एवं जनप्रतिनिधि शामिल होंगे

पत्रकारिता के 200 वर्ष पूरे, प्रेस क्लब मनाएगा उत्सव, पत्रकारिता गौरव मार्तंड उत्सव की तैयारियां तेज

रायपुर (विश्व परिवार)। हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रायपुर प्रेस क्लब द्वारा 30 मई को आयोजित किए जा रहे पत्रकारिता गौरव मार्तंड उत्सव की तैयारियों को लेकर आज प्रेस क्लब परिसर में महत्वपूर्ण बैठकें आयोजित की गईं। रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी ने सबसे पहले प्रेस क्लब कार्यकारिणी की विस्तारित बैठक ली। बैठक में कार्यकारिणी के नव नियुक्त सात सदस्यों के साथ विभिन्न मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के विशेष आमंत्रित संयोजक तथा सलाहकार सदस्य के रूप में प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व महासचिव भी उपस्थित रहे।

कार्यकारिणी की बैठक के पश्चात पत्रकारिता गौरव मार्तंड उत्सव के सफल आयोजन हेतु गठित विभिन्न समितियों की अलग-अलग बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में संरक्षक एवं सलाहकार मंडल के सदस्यों ने विभिन्न समितियों के संयोजकों के साथ आयोजन की रूपरेखा, कार्यक्रम के स्वरूप तथा आयोजन की सफलता को लेकर विस्तार से चर्चा की।

बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित यह विशेष उत्सव दिनभर चार सत्रों में संपन्न होगा।कार्यक्रम का प्रथम सत्र शुभारंभ सत्र होगा, जिसमें मुख्यमंत्री सहित मंत्रिमंडल के सदस्य एवं जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। द्वितीय सत्र हिंदी प्रिंट मीडिया की 200 वर्षों की गौरवशाली यात्रा एवं उसकी भूमिका पर केंद्रित रहेगा। तृतीय सत्र इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं न्यू मीडिया की संभावनाओं और चुनौतियों पर आधारित होगा, जिसमें वरिष्ठ पत्रकार, मीडिया विशेषज्ञ एवं विभिन्न संस्थानों से जुड़े प्रतिनिधि अपने विचार रखेंगे।

इसके अतिरिक्त रायपुर प्रेस क्लब द्वारा इस अवसर पर एक विशेष सांस्कृतिक संध्या का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें पत्रकार साथियों की प्रस्तुतियों के साथ संगीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।बैठक में प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी, महासचिव गौरव शर्मा, उपाध्यक्ष दिलीप साहू, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, संयुक्त सचिव निवेदिता साहू एवं भूपेश जांगड़े सहित कार्यकारिणी एवं विभिन्न समितियों के सदस्य उपस्थित रहे,रायपुर प्रेस क्लब ने सभी पत्रकार साथियों, मीडिया संस्थानों एवं नागरिकों से इस ऐतिहासिक आयोजन में सहभागिता निभाने की अपील की है।

ट्रक एक्सपो में TATA LPT-4932.T एवं Azura-1918 का भव्य लॉन्च

रायपुर (विश्व परिवार)। नई तकनीक, बेहतर प्रदर्शन और आधुनिक सुविधाओं से लैस वाहन बाजार में पेश टाटा मोटर्स के ऑथराइज्ड डीलर ओम आटो व्हील्स प्राइवेट लिमिटेड रायगढ़ के द्वारा ट्रांसपोर्ट एवं लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देते हुए आयोजित ट्रक एक्सपो में कंपनी ने अपने दो नए अत्याधुनिक वाहनों ञ्ज स्क्क्ष-4932.ञ एवं ऽ5ह्लह्ड्ड- 1918 का शानदार लॉन्च किया। कार्यक्रम में ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों, वाहन मालिकों एवं ऑटोमोबाइल क्षेत्र से जुड़े कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि स्क्क्ष-4932.ञ को लंबी दूरी एवं भारी माल परिवहन को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। यह ट्रक मजबूत इंजन क्षमता, अधिक लोडिंग क्षमता एवं उन्नत सुरक्षा फीचर्स से लैस है। वहीं ऽ5ह्लह्ड्ड-1918 आधुनिक डिजाइन, आरामदायक ड्राइविंग अनुभव और पावरफुल इंजन के साथ मध्यम वाणिज्यिक परिवहन क्षेत्र के लिए उपयुक्त वाहन है।

कंपनी के स्ष्ठ श्री पुनीत परवानी ने कहा कि दोनों नए मॉडल ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए हैं, जिससे परिवहन व्यवसाय को अधिक लाभकारी एवं सुविधाजनक बनाया जा सके।

ट्रक एक्सपो में आए ग्राहकों और परिवहन व्यवसायियों ने नए मॉडलों में विशेष रुचि दिखाई तथा इनके फीचर्स की सराहना की।

टाटा कंपनी की तरफ से इस कार्यक्रम में स्क्रू श्री शीतेष पाण्डेय, ञ्जस्रू श्री आशुतोष दास, ञ्जस्रू श्री विनीत शुक्ला, ञ्जस्रू श्री दीपक पटेल, स्स्रू श्री कनिष्क सोनी, ष्टस्रू श्री उज्वल सिंह एवं ष्टस्रू श्री प्रवीण चौबे शामिल हुए थे।

सुशासन तिहार : अवैध शराब पर सांसद बृजमोहन ने अधिकारियों को लगाई फटकार

कहा- पुलिस को क्यों नहीं मालूम, कहां बिक रही शराब

रायपुर (विश्व परिवार)। भाजपा सांसद बृजमोहन अग्रवाल सुशासन तिहार शिविर के दौरान एक बार फिर सख्त तेवर में नजर आए। 18 मई को नगर निगम के जोन-5 अश्विनी नगर में सुशासन तिहार शिविर आयोजित था। जहां उन्होंने अवैध शराब की बिक्री पर मंच से ही पुलिस और आबकारी विभाग के अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। इसका वीडियो वायरल हुआ है। वीडियो में सांसद ने अधिकारियों से कहा कि 'कोई बड़े से बड़ा आदमी हो उसको उठाकर बंद करो। 3 महीना जमानत नहीं होगी ना, बंद हो जाएगा तोज्करो ना बंद, क्यों नहीं बंद करते?' उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि, 'हमें मालूम है क्या, वह शराब कहां बिक रही है, तो क्या पुलिस वालों को नहीं मालूम?'बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि भाठागांव, मठपुरैना, चंगोराभाठा, संतोषी नगर और टिकरापारा जैसे इलाकों में बहुत ज्यादा अवैध शराब बिक रही है और इसे रोकना जरूरी है। सांसद ने कहा कि शहर के कई इलाकों में खुलेआम अवैध शराब बिक रही है, लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही। उन्होंने अधिकारियों से तुरंत एक्शन लेने को कहा। सांसद ने साफशब्दों में कहा कि इस कारोबार में शामिल लोगों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए और किसी को भी बख्शा नहीं जाना चाहिए। इस दौरान मंच पर रायपुर की महापौर मीनल चौबे भी मौजूद थीं। कार्यक्रम का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।इससे पहले रायपुर के आरंग के नगर पंचायत समोदा में आयोजित सुशासन तिहार कार्यक्रम में सांसद बृजमोहन अग्रवाल शिकायत मिलने पर भडक़ गए थे। उन्होंने नायब तहसीलदार गजानंद सिदार को जमकर फटकार लगाते हुए कहा कि आपका अभिनंदन करें कि क्या करें बताओ। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से छत्तीसगढ़ सिविल सोसायटी के पदाधिकारियों ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज शाम राजधानी स्थित निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ सिविल सोसायटी के पदाधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री श्री साय को छत्रपति शिवाजी महाराज के जन्मदिवस 19 फरवरी को प्रदेश में स्वराज दिवस के रूप में घोषित करने की माँग सम्बंधित 5 हजार लोगो के हस्ताक्षर सहित आवेदन सौंपे है।

पदाधिकारियों ने बताया कि छत्रपति शिवाजी महाराज भारत के महान वोद्धा और स्वतंत्रता सेनानी रहे हैं। उन्होंने मुगल साम्राज्य के खिलाफ लड़कर हिंदवी स्वराज की स्थापना की तथा भारत की एकता और अखंडता के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।शिवाजी महाराज केवल एक योद्धा ही नहीं थे, बल्कि एक महान प्रशासक और विजनरी भी थे। उन्होंने एक मजबूत और स्वतंत्र भारत का सपना देखा था। श्री शिवाजी महाराज हमारे लिए हमेशा ही प्रेरणास्त्रोत हैं।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ सिविल सोसायटी के अध्यक्ष डॉ कुलदीप सिंह सोलंकी, शिक्षाविद श्री संजय जोशी, महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष श्री अजय काले,श्री सुबोध टोले,सहित अन्य पदाधिकारी गण उपस्थित रहें।

जनप्रतिनिधियों की भूमिका एवं उत्तरदायित्व के संबंध में कार्यशाला का आयोजन

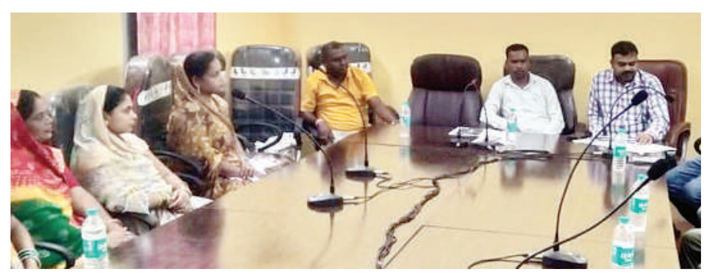

रायपुर (विश्व परिवार)। नगर पंचायत रोहांसी में New SWM rules 2026 के अनुसार निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की भूमिका एवं उत्तरदायित्व के संबंध में कार्यशाला का आयोजन सभाकक्ष में किया गया । जिसमें समस्त जनप्रतिनिधियों को नए नियम स्क्क्रू ह्ह्वद्दह्य 2026 के अनुसार 04 कैटिगरी में घरों का कचरा स्त्रोत पृथक्करण के संबंध में विस्तृत से जानकारी देते हुए कचरों के 4 प्रकार गीला, सूखा, सेनेटरी वेस्ट एवं हानिकारक कचरे अलग अलग कलेक्शन , प्रबंधन,बल्क वेस्ट जनरेटर, लैंडफिल साइट और उसका निपटान, संस्था और व्यक्ति को कचरा ना देने पर जुर्माना, कचरा मुक्त शहर. डिजिटल मोनिटिरिंग एवं पारदर्शिता की जानकारी दिया गया । तथा उनके वार्ड में जनजागरूकता करने हेतु दायित्व के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दिया गया , साथ ही रेन वाटर हार्वेस्टिंग की अनिवार्यता के संबंध में भी विधिवत जानकारी दी गई, इस अवसर पर माननीय श्री नंदेश्वर कुमार साहू अध्यक्ष, पार्षद, विधायक प्रतिनिधि, एनजीओ, वरिष्ठ नागरिक, अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्रवाई रायपुर रेल मंडल के द्वारा यात्री सुविधाओं में व्यवधान बन रही अनधिकृत स्टॉल सील की गई

रेलवे भूमि के पास चल रहे अनधिकृत स्टॉल के खिलाफ कानूनी कार्रवाई

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी के ने अनधिकृत स्टॉल के संज्ञान पर रायपुर रेलवे स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार प्लेटफार्म संख्या 01 के निकट एक्सप्रेसवे के पास चल रहे अनधिकृत स्टॉल के संबंध में एक संयुक्त सर्वेक्षण करा कर। यह पाया गया कि उक्त अनधिकृत स्टॉल राज्य सरकार की भूमि पर, रेलवे भूमि के ठीक निकट चल रहा है। अनधिकृत स्टॉल के स्थान और असामाजिक वातावरण को ध्यान में रखते हुए, रेलवे प्रशासन ने अनधिकृत स्टॉल को आगे की कार्रवाई के लिए सील कर दिया गया है। यह स्टॉल रेलवे प्रशासन एवं रायपुर नगर निगम की अनुमति के बिना चलाया जा रहा था।

इस अवैध अनधिकृत स्टॉल के कारण स्टेशन परिसर में आने जाने वाले यात्रियों को असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा था।

1. यात्रियों की आवाजाही में बाधा उत्पन्न हो रही है, विशेषकर व्यस्त समय के दौरान। शाम और रात के समय यात्रियों को असामाजिक वातावरण का सामना करना पड़ रहा है।

2. रेलवे परिसर के आसपास कूड़ा-कचरा, बचा हुआ भोजन और गंदगी फैलाने से अस्वच्छता की स्थिति पैदा हो रही है, जिससे स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता प्रयासों में बाधा आ रही है।

3. देर रात के समय क्षेत्र में असामाजिक गतिविधियों की सूचना मिली है, जिससे यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों के लिए सुरक्षा संबंधी समस्याएं पैदा हो रही हैं।4. अनधिकृत रूप से संचालित स्टॉल गतिविधि रेलवे की छवि को नुकसान पहुंचा रही है और आम जनता को असुविधा का कारण बन रही है।

चूंकि यह भूमि रायपुर नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में आती है, इसलिए राज्य सरकार से कानूनी कार्रवाई शुरू करने का अनुरोध किया गया है और तत्काल कार्रवाई का पत्राचार किया है जिसमें फाफडीह के प्रवेश द्वार से रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाले क्षेत्र में अवैध रूप से लगाए गए स्टॉल को तत्काल हटाना और स्थायी रूप से खाली कराना ताकि कोई भी व्यक्ति उस पर कब्जा न कर सके। नियमित निगरानी के माध्यम से रेलवे सीमा के निकट भविष्य में अतिक्रमण को रोकने। रेलवे अधिकारियों/नगर निगम के साथ संयुक्त निरीक्षण करना और जिम्मेदारी तय करना। रायपुर रेलवे स्टेशन के आसपास स्वच्छता बनाए रखने, यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए सहयोग अपेक्षित किया है।

भीषण गर्मी में यात्रियों को राहत पहुंचाने हेतु रेलवे की विशेष पहल

बिलासपुर रायपुर (विश्व परिवार)। भीषण गर्मी एवं लगातार बढ़ते तापमान को देखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों को राहत प्रदान करने हेतु प्रमुख स्टेशनों पर वाटर मिस्टिंग सिस्टम प्रभावी रूप से संचालित किए जा रहे हैं। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रेलवे प्रशासन द्वारा गर्मी के मौसम में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह विशेष व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव एवं गोंदिया स्टेशनों के प्लेटफार्मों पर स्थापित मिस्टिंग सिस्टम के माध्यम से सूक्ष्म जल फुहारों का छिड़काव किया जा रहा है। इस तकनीक से प्लेटफार्मों के आसपास के वातावरण के तापमान में कमी आती है, जिससे ट्रेन की प्रतीक्षा कर रहे यात्रियों को गर्मी एवं उमस से काफी राहत मिलती है।विशेष रूप से दोपहर के समय, जब तापमान अत्यधिक बढ़ जाता है, तब यह व्यवस्था यात्रियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है। प्लेटफार्मों पर लगातार संचालित हो रहे जल फुहारों से वातावरण अपेक्षाकृत शीतल बना रहता है, जिससे यात्रियों को अधिक आरामदायक अनुभव प्राप्त हो रहा है।दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गर्मी के मौसम में इस प्रकार की यात्री हितैषी व्यवस्थाओं को निरंतर प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है।

RAIPUR BUSINESS HUB

ITR फाईल बनवाएं मात्र 500/-

GST रजिस्ट्रेशन | TDS रिफंड | CMA DATA | BALANCE SHEET | MSME रजिस्ट्रेशन | फूड लाइसेंस | प्रोजेक्ट रिपोर्ट | TAX AUDIT

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
(व्हाट्सएप पर भी बनवाएं)

संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354